दैनिक सांध्यकालीन
APPROVED BY DAVP
डाक पंजीयन संख्या - म.प्र./भोपाल/4-550/2025-27

मेट्रो खबर

वर्ष-15 अंक-347 | भोपाल, शनिवार 14 जून 2025 | पृष्ठ-8 मूल्य 1 रुपये

पहले 19 को था टिकट, पति के बर्थडे के लिए बदला प्लान

- अहमदाबाद विमान हादसे में इंदौर की बहू ने भी गंवाई जान

भोपाल। अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की एक विमान दुर्घटना में इंदौर की एक महिला की जान चली गई। यह दुखद घटना गुरुवार को हुई। मरने वालों में इंदौर की हरप्रीत होरा भी शामिल हैं। एयर इंडिया की लिस्ट में उनका नाम 65वें नंबर पर था। हरप्रीत अपने पति से मिलने लंदन जा रही थीं। इस घटना से दोनों परिवारों में मातम छा गया है। हरप्रीत का टिकट पहले 19 जून को था लेकिन 16 जून को पति का बर्थडे थे इसलिए 12 को जा रही थीं। हरप्रीत इंदौर के राजमोहल्ला इलाके में रहने वाले होरा परिवार की बहू थीं। उनके पति, रॉबी होरा, पिछले तीन सालों से लंदन में एक प्राइवेट कंपनी में काम कर रहे हैं। हरप्रीत और रॉबी की शादी 2020 में हुई थी। हरप्रीत बेंगलुरु की एक प्राइवेट कंपनी में काम करती

थीं। वर्क फ्रॉम होम होने के कारण वह लंदन जाने के लिए निकली थीं। हरप्रीत के परिवार वालों ने बताया कि पहले उनका लंदन का टिकट 19 जून का बुक था। लेकिन, बेटे का जन्मदिन 16 जून को होने की वजह से टिकट बदलकर 12 जून का करवा लिया गया। दुर्भाग्य से, यही बदलाव उनकी आखिरी यात्रा बन गया। हरप्रीत के ससुराल और मायके, दोनों जगह शोक का माहौल है। वह कुछ दिन पहले ही अपने मायके आई थीं। वहीं से वह लंदन के लिए रवाना हुई थीं। रॉबी होरा के चाचा, जसवीर होरा ने बताया कि हादसे की खबर मिलते ही पूरे परिवार में मातम छा गया। उन्होंने कहा कि कुछ ही घंटे पहले सभी परिजनों ने उन्हें हैप्पी जर्नी की शुभकामनाएं दी थीं। किसी को अंदाजा भी नहीं था कि चंद घंटों में सब कुछ बदल जाएगा। हरप्रीत के पति रॉबी अब लंदन से इंदौर वापस आ रहे हैं। परिवार के सदस्य अहमदाबाद के लिए रवाना हो चुके हैं।

एयर इंडिया के विमान की थाईलैंड में इमरजेंसी लैंडिंग

- बम होने की सूचना, फुकेट से दिल्ली आ रहा था, 156 यात्री सवार थे

बैंकॉक (एजेंसी)। थाईलैंड के फुकेट इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-379 की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। यहां प्लेन में बम होने की सूचना मिली थी। विमान में 156 लोग सवार थे। फ्लाइट फुकेट से दिल्ली आ रही थी। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने फ्लाइट ट्रैकर 'फ्लाइट्रेडर24' के हवाले से

बताया कि एअर इंडिया की फ्लाइट ने फुकेट एयरपोर्ट से भारतीय समयानुसार सुबह 9.30 बजे (स्थानीय समयानुसार दोपहर 2.30 बजे) टेकऑफ किया था। विमान अंडमान सागर के ऊपर एक बड़ा चक्कर लगाते हुए पलटा और करीब 20 मिनट बाद फुकेट में सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग की। सभी यात्री और क्रू सेफ हैं, किसी को भी कोई नुकसान नहीं हुआ है। नेशन थाईलैंड ने बताया कि बम की धमकी मिलते ही फुकेट एयरपोर्ट ने एयरपोर्ट कंटिन्जेंसी प्लान एक्टिवेट कर दिया। एयरपोर्ट अफसरों ने कहा कि धमकी को लेकर सभी जरूरी कदम उठाए गए हैं। ज्यादा जानकारी मिलने पर अपडेट दिया जाएगा।

अहमदाबाद विमान हादसे के अब खुलेंगे सारे राज

- एयर इंडिया के दुर्घटनाग्रस्त विमान का डीवीआर हुआ बरामद
- अब तक 265 शव अस्पताल लाए गए, डीएनए सैंपलिंग जारी

अहमदाबाद (एजेंसी)। दुर्घटनाग्रस्त प्लेन एयर इंडिया फ्लाइट नंबर एआई-171 का डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर (डीवीआर) बरामद कर लिया गया है। काफी मशक्कत के बाद इसे मलबे से बरामद किया गया है। बता दें कि इस डीवीआर से महत्वपूर्ण डेटा स्टोर रहता है जिससे विमान दुर्घटना का सही कारण पता चल पाएगा। बता दें कि फ्लाइट में लगे सीसीटीवी कैमरे बहुत कुछ रिकॉर्ड करते हैं, जिसका डाटा डीवीआर में स्टोर होता है। ये कैमरे कॉक-पिट से लेकर पैसेंजर केबिन तक सब कुछ रिकॉर्ड करते हैं। एंट्री और एग्जिट गेट के साथ इमरजेंसी गेट भी इनकी नजरों से बच नहीं पाते। इन कैमरों में रिकॉर्डिंग स्टोर भी होती है। घटना की पुष्टि करते हुए घटनास्थल पर मौजूद एटीएस अधिकारी ने कहा कि यह एक डीवीआर है, जिसे हमने

मलबे से बरामद किया है। एफएसएल टीम जल्द ही यहां आएगी और डीवीआर की जांच करेगी। जो दुर्घटना की ओर ले जाने वाली घटनाओं के बारे में महत्वपूर्ण सुराग दे सकती है। अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश में अब तक 265 लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। इनमें से 241 मृतक विमान में सवार पैसेंजर्स और क्रू मेंबर्स थे। 5 मृतक उस मेडिकल हॉस्टल के हैं, जहां प्लेन क्रैश हुआ था। विमान जिस बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल पर गिरा, वहां 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे। हालांकि, अभी यह क्लियर नहीं हुआ है कि हॉस्टल में कितनी मौतें हुई हैं। 4 एमबीबीएस छात्र और एक डॉक्टर की पत्नी के मारे जाने की खबर आ रही है। इससे पहले शुक्रवार सुबह पीएम मोदी अहमदाबाद पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का दौरा किया।

पीएम मोदी ने पूर्व सीएम विजय रूपाणी के परिवार से मुलाकात की

पीएम मोदी ने गांधीनगर में विजय रूपाणी के परिवार से मुलाकात की। उन्होंने एक्स पर लिखा- यह कल्पना करना भी मुश्किल है कि विजयभाई अब हमारे बीच नहीं हैं। मैं उन्हें दशकों से जानता था। हमने साथ मिलकर काम किया, कंधे से कंधा मिलाकर, कई मुश्किल दौरों में भी। विजयभाई विनम्र और मेहनती थे, और पार्टी की विचारधारा के प्रति पूरी तरह समर्पित थे। उन्होंने संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियां निभाईं और बाद में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में ईमानदारी से सेवा की।

एयर इंडिया के बोइंग 787-8 पर रोक की तैयारी- केंद्र सरकार बोइंग ड्रीमलाइनर 787-8 विमान को उड़ान भरने से रोकने पर विचार कर रही है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सिक्योरिटी रिव्यू के लिए विमानों को ग्राउंड किया जा सकता है। यह फैसला अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश के बाद लिया गया है। एअर इंडिया का 787-8 विमान 12 जून को अहमदाबाद में क्रैश हुआ था। इसमें अब तक 265 लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। इनमें से 241 मृतक विमान में सवार पैसेंजर्स और क्रू मेंबर्स थे। 5 मृतक उस मेडिकल हॉस्टल के हैं, जहां प्लेन क्रैश हुआ था।

प्लेन क्रैश में बचे इकलौते यात्री ने बताया, कैसे जिंदा बचा

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद प्लेन हादसे में जिंदा बचे इकलौते यात्री रमेश विश्वास कुमार ने बताया कि मुझे विश्वास नहीं होता कि मैं कैसे जिंदा बाहर निकला। शायद दरवाजा टूटा और सीट समेत नीचे गिर गया। मुझे कुछ याद नहीं था। रमेश कुमार अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में भर्ती हैं। पीएम मोदी ने शुक्रवार को उनसे मुलाकात की और हालचाल जाना। दोनों के बीच करीब 10 मिनट बातचीत हुई। इसके बाद रमेश ने कहा, पीएम ने उनका हालचाल जाना और पूछा कि हादसा कैसे हुआ।

आग से लोहे गल गए, लेकिन भगवद् गीता को खरोंच भी नहीं

इस दौरान रेस्क्यू टीम को एक भगवद गीता मिली। संभवतः कोई यात्री इस पवित्र ग्रंथ को अपने साथ रखकर अहमदाबाद से लंदन की यात्रा कर रहा हो। जहां सभी सामान जलकर राख हो चुके थे, वहां भगवद गीता पूरी तरह सुरक्षित और पढ़ने योग्य अवस्था में थी। वहां मौजूद लोग इसे किसी चमत्कार की तरह देख रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में एक व्यक्ति दुर्घटनास्थल पर मलबे के बीच से गीता के पन्नों को दिखाते नजर आ रहा है। मलबे में बुरी तरह जले और टूटे-फूटे विमान के हिस्सों के बीच गीता का सुरक्षित पाया जाना चमत्कार माना जा रहा है।

फ्रांस के साथ एमओयू से प्रदेश की संस्कृति को मिलेगा वैश्विक मंच

सीएम बोले-मध्यप्रदेश बनेगा भारत-फ्रांस सांस्कृतिक और पर्यटन सहयोग का नया केंद्र

भोपाल। फ्रांस और मध्यप्रदेश के बीच संस्कृति और पर्यटन क्षेत्र में दीर्घकालिक सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष मुख्यमंत्री निवास, समत्व में एक महत्वपूर्ण त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह मध्यप्रदेश को भारत और फ्रांस के बीच सांस्कृतिक एवं पर्यटन सहयोग का नया केंद्र बनाएगा।

इस ऐतिहासिक एमओयू पर भारत में फ्रांस के राजदूत डॉ. थिएरी मथौ, प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति शिव शेखर शुक्ला और अलायंस फ्रांसेज डी भोपाल के अध्यक्ष अखिलेश वर्मा ने हस्ताक्षर किए। यह समझौता अगले तीन वर्षों के लिए वैध होगा और आपसी सहमति

से आगे बढ़ाया जा सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत और फ्रांस के साथ सम्बन्ध हमेशा से अच्छे रहे है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फ्रांस दौरे के बाद यह और प्रगाढ़ हुए है।

मध्यप्रदेश फ्रांस के साथ सांस्कृतिक संबंधों के साथ व्यापारिक सम्बन्धों के लिए भी तत्पर है। उनकी आगामी माह फ्रांस यात्रा प्रस्तावित है। भारत और फ्रांस के बीच औद्योगिक विकास की दृष्टि से, उद्यमियों को प्रोत्साहित करने और शिल्प कलाओं को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से परस्पर सहयोग की संभावनाओं पर कार्य किया जाएगा।

यह समझौता ज्ञापन मध्यप्रदेश को न केवल देश की सांस्कृतिक राजधानी बल्कि एक प्रगतिशील, वैश्विक पर्यटन और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित करने की हमारी दूरदृष्टि को साकार करता है। प्रदेश के कलाकारों को वैश्विक मंच मिलेगा और फ्रांस तथा यूरोप से आने वाले पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। भारत में फ्रांस के राजदूत डॉ. थिएरी मथौ ने इस साझेदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा,हमें मध्यप्रदेश सरकार के साथ इस महत्वपूर्ण सहयोग को स्थापित करते हुए बहुत खुशी हो रही है।

पंजाब की इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर कमल भाभी के 2 हत्यारे गिरफ्तार

- शोरूम के प्रमोशन के बहाने बठिंडा बुलाया, गैराज में ले जाकर गला घोंटा

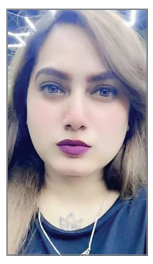

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कंचन कुमारी उर्फ कमल कौर भाभी के 2 हत्यारों को बठिंडा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की पहचान मोगा के जसप्रीत सिंह मेहरू और तरनतारन के निमनरजीत सिंह के रूप में हुई है। हत्या का मास्टरमाइंड अमृतपाल सिंह मेहरू अभी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए टीमें लगी हुई हैं। बठिंडा की एसएसपी अमनदीप कौंडल ने बताया कि अमृतपाल और उसके साथियों ने कमल कौर के वीडियो को लेकर उसकी हत्या की है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह यूथ को गलत रास्ते पर लेकर जा रही थी इसे लेकर कमल कौर को समझाया भी था, लेकिन वह नहीं मानी। आरोपियों ने 9 जून को बहाना बनाकर उसे बठिंडा बुलाया।

तीन बार फेल रहे सोनम, राज कुशवाह और सभी हमलावर

पुलिस ने कहा-चौथी कोशिश में हुई राजा रघुवंशी की हत्या

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड के मामले में मेघालय की पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। मेघालय पुलिस ने कहा है कि सोनम, राज कुशवाहा और अन्य आरोपी चौथी कोशिश में राजा रघुवंशी की हत्या के अपने नापाक इरादों में कामयाब हुए, इससे पहले तीन बार इनकी कोशिश फेल हो गई। पुलिस ने कहा है कि राजा रघुवंशी की हत्या कोई कांट्रेक्ट किलिंग नहीं थी और इसका मास्टरमाइंड सोनम रघुवंशी का प्रेमी राज कुशवाहा था। पूर्वी खासी हिल्स के एसपी विवेक सिएम ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राज कुशवाहा के दोस्त आकाश राजपूत, विशाल चौहान और आनंद कुर्मी तीनों सोनम और राज कुशवाहा से पहले गुवाहाटी पहुंच गए। पुलिस ने बताया कि गुवाहाटी में राजा की हत्या की पहली कोशिश की गई लेकिन यह फेल हो गई। इसके बाद शिलांग और पूर्वी खासी हिल्स के मावलखियात गांव के पास दो बार और राजा की हत्या की कोशिश की गई लेकिन यहां भी हमलावरों को कामयाबी नहीं मिली।

एसपी ने बताया कि 23 मई को दोपहर 2 बजे से 2.18 बजे के बीच, हमलावरों ने वेई सावडोंग फॉल्स के पास राजा रघुवंशी को मौत के घाट उतार दिया। उन्होंने कहा कि सभी ने बारी-बारी से उस पर हमला किया। इसके बाद आकाश ने अपनी खून से सनी शर्ट उतार दी और सोनम का रेनकोट पहन लिया। बता दें कि 11 मई को शादी के बाद 21 मई को राजा और सोनम शिलांग पहुंचे थे। 23 मई को उनकी अपने परिवार से आखिरी बार बात हुई थी।

पचमढ़ी प्रशिक्षण वर्ग में तीनों दिन रहेंगे सीएम डॉ. यादव

- आज दोपहर 3 बजे अमित शाह करेंगे उद्घाटन

भोपाल। पचमढ़ी में भारतीय जनता पार्टी का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर शनिवार से शुरू हो रहा है। इसका उद्घाटन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कल दोपहर 3 बजे करेंगे, जबकि समापन 16 जून को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने बताया कि यह पार्टी का नियमित प्रशिक्षण शिविर है, जिसमें सांसद, विधायक, मंत्री और संगठन के प्रमुख पदाधिकारी शामिल होंगे। कुल करीब 201 प्रतिनिधि इस शिविर में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मप्र सरकार के सभी मंत्री पूरे समय मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष के साथ ही केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, सीआर पाटिल, शिवराज सिंह चौहान, सावित्री ठाकुर, डीडी उईके और एल मुरुगन सहित सभी कैबिनेट मंत्री उपस्थित रहेंगे। राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े, महेन्द्र सिंह और शिवप्रकाश भी विभिन्न सत्रों में मार्गदर्शन देंगे। वीडी शर्मा ने बताया- इस वर्ग में सभी सांसद विधायक एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण करेंगे। वर्ग में सैद्धांतिक, व्यावहारिक, कई विषयों पर सत्र होंगे।

11 साल मोदी सरकारः नए भारत की तस्वीर, पुरानी सरकारों से बड़ा फर्क और कोरोना से जंग में ग्लोबल लीडरशिप

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने हाल ही में अपने 11 साल पूरे किए हैं। इन ग्यारह सालों में भारत ने ना सिर्फ विकास के नए आयाम छुए हैं, बल्कि देश के शासन और वैश्विक भूमिका में भी बड़े बदलाव देखे हैं।

बदलते भारत की कहानी :- मोदी सरकार के 11 साल

- अर्थव्यवस्था में छलांग :- भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना, आर्थिक विकास को नई गति मिली।
- इंफ्रास्ट्रक्चर क्रांति :- सड़कों, रेलवे और डिजिटल कनेक्टिविटी में अभूतपूर्व विस्तार हुआ। छ्ङ्क ने करोड़ों भारतीयों के लिए डिजिटल लेनदेन को आसान बनाया।
- सीधा फायदा :-जन धन, स्वच्छ भारत और उज्ज्वला जैसी योजनाओं से करोड़ों लोगों को सीधे लाभ मिला, जिससे पारदर्शिता बढ़ी और बिचौलियों का रोल खत्म हुआ।
- वैश्विक मंच पर पहचान :- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की आवाज मजबूत हुई है और कूटनीतिक पहुंच बढ़ी है। पुरानी और अभी की सरकार में अहम फर्क मोदी सरकार ने पिछली सरकारों, खासकर सरकार की तुलना में कई क्षेत्रों में एक अलग दृष्टिकोण अपनाया है।
- शासन का तरीका :- जहां पुरानी सरकारों में गठबंधन की राजनीति के चलते फैसलों में देरी होती थी, वहीं मोदी सरकार ने केंद्रीकृत और तेज निर्णय प्रक्रिया पर जोर दिया है, जैसे त्रस्क्ष को लागू करना।
- पारदर्शिता और भ्रष्टाचार :- पिछली सरकारों पर भ्रष्टाचार के कई आरोप लगे, जबकि मोदी सरकार ने ष्ठक्चञ्ज (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) जैसे कदमों से पारदर्शिता बढ़ा कर सरकारी योजनाओं में बिचौलियों की भूमिका खत्म करने का प्रयास किया।
- आर्थिक फोकस :- पुरानी सरकारें सामाजिक कल्याण और ग्रामीण विकास पर अधिक केंद्रित थीं, वहीं मोदी सरकार मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे कार्यक्रमों से विनिर्माण और बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर खास जोर दे रही है।
- कोरोना से जंग में भारत की अनूठी भूमिका :- दुनिया को दिखाई राह जब कोरोना ने दुनिया को अपनी चपेट में लिया, तो भारत ने बाकी देशों से हटकर अपनी लड़ाई लड़ी और वैश्विक नेतृत्व भी दिखाया-
- शुरुआती और कड़े कदम :- कई विकसित देशों के मुकाबले भारत ने बहुत पहले मास्क पहनना अनिवार्य किया और कड़ा लॉकडाउन लगाकर संक्रमण की चेन तोड़ने की कोशिश की।
- वैक्सीन हब और वैक्सीन मैत्री :- भारत दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीन उत्पादक होने के नाते, अपनी क्षमता का इस्तेमाल किया। वैक्सीन मैत्री पहल के तहत, हमने न केवल अपने देश के लिए वैक्सीन बनाई, बल्कि 100 से ज्यादा देशों को वैक्सीन सप्लाई की। यह तब हुआ जब कई अमीर देश भी वैक्सीन के लिए संघर्ष कर रहे थे।
- आत्मनिर्भरता :- जहां कई देश वैक्सीन के लिए दूसरों पर निर्भर थे, वहीं भारत ने अपनी खुद की वैक्सीन (जैसे कोवैक्सीन) भी विकसित की और उनका बड़े पैमाने पर उत्पादन किया।

आगे की चुनौतियां :- इन बड़ी उपलब्धियों के बावजूद, सरकार के सामने अभी भी रोजगार सृजन, बढ़ती महंगाई और किसानों के मुद्दे जैसी चुनौतियां बनी हुई हैं, जिन पर निरंतर काम करने की जरूरत है। मोदी सरकार ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के नारे के साथ देश को आगे बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। आगे आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि सरकार इन चुनौतियों का कैसे सामना करती है और विकसित भारत के अपने लक्ष्य को कैसे प्राप्त करती है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी सांसदों ने एअर इंडिया विमान दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सांसदों ने बृहस्पतिवार को हुई एअर इंडिया विमान दुर्घटना पर संवेदना व्यक्त की है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि वाशिंगटन इस घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है और प्रभावित लोगों की मदद के लिए काम कर रहे आपातकालीन कर्मियों के साथ खड़ा है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की सदस्य ग्रेस मेंग ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वह भारत में हुए घातक विमान हादसे के बारे में जानकर बहुत दुखी हैं। सांसद ब्रायन फिट्जपैट्रिक, न्यूयॉर्क राज्य से सीनेटर जेरेमी कूनी और सांसद राजा कृष्णमूर्ति समेत अमेरिका के कई सांसदों एवं संस्थाओं ने भी इस दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया। लंदन के गैटविक जा रहा एअर इंडिया का विमान बृहस्पतिवार दोपहर अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद एक आवासीय इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में दो पायलट और चालक दल के 10 सदस्य सहित 242 लोग सवार थे।

उत्तर-पश्चिमी कांगो में नौका डूबने से 30 लोगों की मौत

किंशासा , एजेंसी। मध्य अफ्रीकी देश कांगो के उत्तर-पश्चिमी इक्वेटर प्रांत में खराब मौसम के कारण एक नौका के डूब जाने से कई छात्रों सहित कम से कम 30 यात्रियों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों और मीडिया ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कई लोग अभी भी लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है। क्षेत्रीय प्रशासक जस्टिन मपुतु ने स्थानीय मीडिया को बताया कि नौका बिकोरो क्षेत्र में टुम्बा झील के किनारे ग्रामीणों और सामान को ले जा रही थी, जब बुधवार देर रात यह डूब गई। उन्होंने बताया कि 30 शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि कई अन्य लोग लापता हैं।

ईरान-इजरायल तनाव के बीच एयर इंडिया का बड़ा कदम, 16 फ्लाइट्स का बदला गया रूट

लंदन/न्यूयार्क, एजेंसी। इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते युद्ध जैसे हालात के कारण एयर इंडिया ने एक बड़ा कदम उठाया है। शुक्रवार को एयर इंडिया ने जानकारी दी कि सुरक्षा कारणों से अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा जाने वाली लंबी दूरी की 16 अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का रूट बदला गया है या उन्हें बीच रास्ते से वापस भारत बुला लिया गया है। ईरान में हालात तनावपूर्ण हैं और वहां का हवाई क्षेत्र पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। ऐसे में इन रास्तों से गुजरने वाली फ्लाइट्स को डायवर्ट करना जरूरी हो गया। एयर इंडिया ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यह कदम उठाया गया है। एयर इंडिया ने यात्रियों से हुई असुविधा पर खेद जताया है और कहा है कि यात्रियों के लिए ठहरने की व्यवस्था की जा रही है। टिकट रद्द करने पर पूरी राशि रिफंड दी जाएगी। फ्री री-शेड्यूलिंग की सुविधा भी दी जा रही है। वैकल्पिक फ्लाइट्स से गंतव्य तक पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। सभी यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी फ्लाइट की स्थिति एयर इंडिया की वेबसाइट या कस्टमर केयर से जांच लें।

हेगसेथ बोले- जरूरत पड़ने पर ग्रीनलैंड-पनामा पर कब्जा करेंगे

सिग्नल चैट के इस्तेमाल पर जवाब देने से इनकार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि जरूरत पड़ने पर पेंटागन ने ग्रीनलैंड और पनामा पर बलपूर्वक कब्जा करने की योजना बनाई है। कांग्रेस की तीखी बहस के दौरान बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को जब उनसे सिग्नल चैट के इस्तेमाल के बारे में पूछा गया तो उन्होंने जवाब देने से इनकार कर दिया।

अमेरिकी संसदीय समिति- हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी की बैठक के दौरान डेमोक्रेटिक सदस्यों ने हेगसेथ से कई तीखे सवाल पूछे। सबसे कठिन सवाल सैन्य दिग्गजों की ओर से पूछे गए। इस दौरान हेगसेथ ने पेंटागन प्रमुख के रूप में अपने कार्यों के बारे में पूछे गए कई सवालों के सीधे जवाब देने से बचने की कोशिश की, जिससे बहस और तेज हो गई।

हमारा काम संभावित स्थिति के लिए योजना बनाना: हेगसेथ

प्रतिनिधि एडम स्मिथ ने हेगसेथ से जब पूछा कि क्या पेंटागन ने ग्रीनलैंड या पनामा पर जबरन कब्जा करने की कोई योजना बनाई है, तो उन्होंने जवाब दिया, हमारा काम हर संभावित स्थिति के लिए योजना बनाना होता है। यह सामान्य बात है कि पेंटागन कई ऐसे संघर्षों की योजना बनाता है जो हो भी सकते हैं और नहीं भी। लेकिन जब हेगसेथ ने इस पर बार-बार गोलमोल जवाब दिए, तो एक रिपब्लिकन सांसद माइक टर्नर ने हस्तक्षेप किया। उन्होंने कहा, आपकी गवाही का मतलब यह नहीं है कि पेंटागन ग्रीनलैंड पर हमला करने की तैयारी कर रहा है, सही है?

हम ग्रीनलैंड के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं: हेगसेथ

जैसे ही हेगसेथ ने आकस्मिक योजनाओं के बारे में फिर से वही जवाब दोहराया, तो टर्नर ने जोर देकर कहा, मुझे उम्मीद है कि आप ऐसा ही कहेंगे। इस पर हेगसेथ ने जवाब दिया, हम ग्रीनलैंड के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं ताकि वो किसी भी संभावित खतरे से सुरक्षित रहे।

डेमोक्रेट्स की नाराजगी और तीखे आरोप

बार-बार सांसदों ने हेगसेथ पर कई सवालों के जवाब नहीं देने का आरोप लगाया, खासकर कैपिटल हिल परपिछले दो दिनों की सुनवाई में। इस दौरान सांसद सालुद कार्बाजल इतने नाराज हो गए कि उन्होंने कहा, आप इस देश के लिए शर्म की बात हैं। आप नेतृत्व के लायक नहीं हैं। आपको तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए।

सिग्नल चैट पर गोपनीय जानकारी के सवाल तीखी बहस

हेगसेथ पर आरोप है कि उन्होंने दो सिग्नल चैट का इस्तेमाल कर यमन में किए जाने वाले अमेरिकी हमलों की जानकारी अपने परिवार और कुछ अधिकारियों के साथ साझा की। इस पर सवाल उठे कि क्या उन्होंने गोपनीय जानकारी लीक की है? इस पर हेगसेथ ने जवाब दिया कि उन्होंने जो भी जानकारी साझा की, वह गोपनीय नहीं थी। लेकिन सांसद सेठ मौलटन (जो खुद मरीन सेना में रह चुके हैं) ने कहा, आपको अच्छी तरह पता होना चाहिए कि कौन-सी जानकारी गोपनीय है। हेगसेथ ने अपने जवाब में कहा कि जो बात साफ है वो ये कि ये एक सफल सैन्य अभियान था। हेगसेथ के सिग्नल इस्तेमाल पर पेंटागन निगरानी रिपोर्ट जल्द ही आने की उम्मीद है। जब हेगसेथ से पूछा गया कि अगर जांच में वो दोषी पाए जाते हैं, तो क्या वे इस्तीफा देंगे या खुद को जवाबदेह ठहराएंगे? तो उन्होंने कोई सीधा जवाब नहीं दिया, और सिर्फ इतना कहा कि वे राष्ट्रपति की इच्छा से काम करते हैं।

अमेरिकी सीनेटर एलेक्स पैडिला को प्रेस कॉन्फ्रेंस से घसीटकर निकाला गया, हथकड़ी भी लगाई गई

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के डेमोक्रेटिक सीनेटर एलेक्स पैडिला को लॉस एंजेलेस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जबरन घसीटकर बाहर निकाल दिया गया। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस होमलैंड सिक्योरिटी की सचिव क्रिस्टी नोएम द्वारा ली जा रही थी, जिसमें वह शहर में चल रही इमिग्रेशन (प्रवासन) कार्रवाईयों पर जानकारी दे रही थीं।

हथकड़ी भी लगाई: जब सचिव नोएम मीडिया को इमिग्रेशन से जुड़ी नई जानकारी दे रही थीं, उसी वक्त सीनेटर पैडिला ने बीच में हस्तक्षेप किया और ज़ोर से सवाल पूछना शुरू किया। इसके बाद अधिकारियों ने उन्हें कमरे से बाहर निकाल दिया और हाथों में हथकड़ी लगाई गई।

दोनों दलों में नाराजगी: सीनेटर पैडिला की गिरफ्तारी से डेमोक्रेट और रिपब्लिकन दोनों दलों के सांसदों ने नाराज़गी जताई। कुछ नेताओं ने इसे शर्मनाक और चौंकाने वाला बताया, जबकि ट्रंप प्रशासन ने इसे राजनीतिक ड्रामा कहा।

पैडिला ने क्या कहा?: पैडिला ने कहा, मैं सीनेटर एलेक्स पैडिला हूं, मुझे सचिव से सवाल पूछना है! पडिला के ऑफिस की तरफ से कहा गया कि उन्हें ज़मीन पर गिराकर हथकड़ी पहनाई गई, लेकिन उन्हें अब हिरासत में नहीं रखा गया है। पैडिला ने कहा कि वे पहले से ही फेडरल बिल्डिंग में एक मीटिंग के लिए आए थे और प्रेस कॉन्फ्रेंस में रुककर जानकारी लेना चाहते थे क्योंकि उन्हें और उनके साथियों को इमिग्रेशन पर कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिल रहा था।

क्या है पैडिला का आरोप?: पैडिला ने कहा, अगर एक सीनेटर से इस तरह का व्यवहार किया जा सकता है, तो सोचिए आम प्रवासी मज़दूरों, किसानों, रसोइयों और दिन-भर मेहनत करने वालों के साथ कैसा बर्ताव हो रहा होगा। उन्होंने अमेरिका भर के नागरिकों से अपील की कि वे शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन जारी रखें।

प्रशासन का जवाब: डीएचएस ने कहा कि पैडिला ने अपनी पहचान नहीं बताई थी और उन्होंने सीनेटर वाला पिन भी नहीं पहना हुआ था, इसलिए अधिकारियों को लगा कि वे कोई खतरा हो सकते हैं। बाद में सचिव नोएम और पडिला की मुलाकात हुई, लेकिन प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्हें हटाने की घटना को ट्रंप प्रशासन ने नाटकीय हरकत बताया।

नेताओं की प्रतिक्रियाएं: लॉस एंजेलेस की मेयर करेन बैस ने इस घटना को घिनौना और अपमानजनक बताया और कहा कि ट्रंप प्रशासन की हिंसक कार्रवाइयों को अब बंद होना चाहिए। गवर्नर गैविन न्यूसम ने कहा, अगर वे एक सीनेटर को हथकड़ी लगा सकते हैं, तो आम नागरिकों के साथ क्या करेंगे? वहीं कमला हैरिस (पूर्व उपराष्ट्रपति) ने भी आलोचना की और कहा कि पैडिला केवल अपने राज्य के लोगों के लिए जवाब मांग रहे थे।

व्हाइट हाउस का बयान: व्हाइट हाउस की प्रवक्ता अबीगेल जैक्सन ने कहा, सीनेटर पैडिला को सवालों के जवाब नहीं बल्कि सुर्खियां चाहिए थीं। यह सब एक बचकाना ड्रामा था।

दुख की घड़ी में हैं भारत के साथ, अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर दुनिया भर के नेताओं ने जताया शोक

वाशिंगटन, एजेंसी। गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार को हुए विमान हादसे ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया है। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी सहित कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने शोक व्यक्त किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रामफोसा ने लिखा, दक्षिण अफ्रीका की संवेदनाएं भारत, ब्रिटेन, पुर्तगाल और कनाडा की सरकारों और लोगों के साथ हैं, जिन्होंने अहमदाबाद में आज (गुरुवार को) हुए हृदय विदारक हवाई हादसे में अपने नागरिकों को खो दिया। हम आपके दुख में शामिल हैं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। जॉर्जिया मेलोनी ने एक्स पर लिखा, अहमदाबाद में हुए दुखद विमान हादसे से बहुत दुखी हूं। इटली सरकार और अपनी ओर से मैं पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं और इस दुख की घड़ी में भारतीय लोगों के साथ अपनी पूरी एकजुटता व्यक्त करती हूं।

यूरोपियन कमीशन के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा, भारत से अहमदाबाद में विमान दुर्घटना की दुखद खबर आई है। इस भयानक क्षति के पीड़ित परिवारों और प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। हम आपके दर्द को साझा करते हैं। यूरोप इस दुख की घड़ी में भारत के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने भी हादसे पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, अहमदाबाद में 242 यात्रियों को ले जा रहे एयर इंडिया विमान की दुखद दुर्घटना से स्तब्ध हूं। हम सभी शोक संतप्त लोगों और उनके परिवारों के लिए प्रार्थना में शामिल हैं। बांग्लादेश इस कठिन समय में भारत के लोगों और सरकार के साथ एकजुटता में खड़ा है। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमरा दिसानायके ने कहा, अहमदाबाद के पास एयर इंडिया की उड़ान एआई171 के दुर्घटनाग्रस्त होने से बहुत दुखी हूं। हम विमान में सवार सभी प्रभावित लोगों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। नागरिक का हताहत होना भी उतना ही दुखद है, जिनमें युवा मेडिकल छात्र भी शामिल हैं, जिनका जीवन और भविष्य इस त्रासदी से प्रभावित हुआ है। इस गहरे दुख की घड़ी में, श्रीलंका के लोग भारत के साथ एकजुटता में खड़े हैं। भारत स्थित ईरानी दूतावास में विमान हादसे में जान गंवाने वाले लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। दूतावास के बयान में कहा गया।

फ्रांस दौरे पर जयशंकर की मैक्रों से मुलाकात, आतंकवाद के खिलाफ समर्थन पर जताया आभार

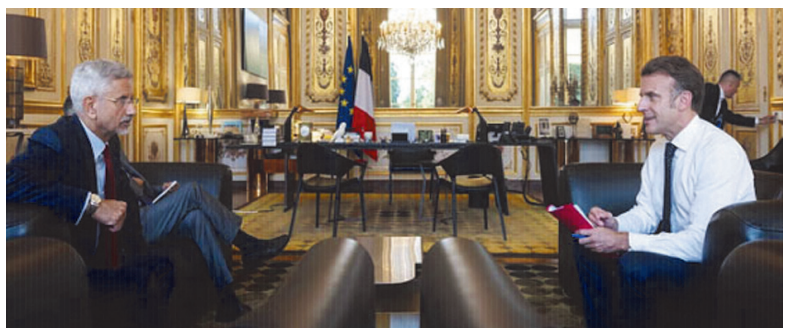

पेरिस, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से पेरिस में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शुभकामनाएं राष्ट्रपति मैक्रों को पहुंचाईं और आतंकवाद के खिलाफ भारत को मिले फ्रांस के मजबूत समर्थन के लिए उनका आभार जताया।

सोशल मीडिया पर जयशंकर ने दी जानकारी: जयशंकर ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि राष्ट्रपति मैक्रों से मिलकर सम्मानित महसूस किया। पीएम मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं और आतंकवाद के खिलाफ फ्रांस के मजबूत समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच बातचीत में आपसी विश्वास, सहजता और रणनीतिक साझेदारी की महत्वाकांक्षा स्पष्ट रूप से दिखी। बता दें कि जयशंकर इन दिनों अपने यूरोप दौरे पर हैं, जहां वे भारत और यूरोपीय देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को दोहराने में जुटे हैं, खासकर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से।

आर्मेनिया के विदेश मंत्री से भी की मुलाकात: इसके साथ ही जयशंकर ने फ्रांस के मार्से शहर में आर्मेनिया के विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान से भी मुलाकात की। जयशंकर ने इसे महत्वपूर्ण बातचीत बताया, जिसमें दोनों देशों के बीच सहयोग और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई। इससे पहले जयशंकर ने ब्रुसेल्स में यूरोपीय संघ के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की थी और भारत-ईयू रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर चर्चा की थी।

जंग के बीच रूस-यूक्रेन ने मिलकर लिया हैरान करने वाला फैसला, पेश की इंसानियत की मिसाल

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के बीच दोनों देशों ने मानवीय सहयोग की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। रूस ने बुधवार को पूर्वी मोर्चे पर युद्ध में मारे गए 1,212 यूक्रेनी सैनिकों के शव लौटा दिए, जबकि बदले में उन्हें 27 शव मिले। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सहयोगी व्लादिमीर मेडिंस्की ने अपने टेलीग्राम चैनल पर लिखा, इस्तांबुल समझौते के तहत मृत सैनिकों के शव लौटाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। 2 जून को इस्तांबुल में आयोजित यूक्रेन-रूस वार्ता के दूसरे दौर में रूसी प्रतिनिधि मेडिंस्की ने बिना शर्त 6,000 शव यूक्रेन को लौटाने का प्रस्ताव रखा।

साथ ही उन्होंने यूक्रेन से रूसी सैनिकों के शव लौटाने का अनुरोध किया। युद्धबंदियों के दो समूहों का आदान-प्रदान इस बैठक में दोनों देशों ने इस्तांबुल समझौते के तहत 25 वर्ष से कम आयु के युद्धबंदियों के दो समूहों का भी आदान-प्रदान किया। रूसी सरकारी रेडियो वेस्टी एफएम के अनुसार, मेडिंस्की ने कहा कि 12 जून को गंभीर रूप से घायल युद्धबंदियों के आदान-प्रदान की तैयारी चल रही है, जिन्हें तत्काल अस्पताल में उपचार की आवश्यकता है। हमलों में सैकड़ों लोग मारे गए थे रूस लगातार यूक्रेन पर घातक ड्रोन और मिसाइल हमले कर रहा है। इन हालिया हमलों में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने रूस की इन हरकतों पर अपना गुस्सा जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि रूस की तरफ से हर दिन नए बर्बर हमले हो रहे हैं और लगभग हर हमला अपने पीछे एक दर्दनाक कहानी छोड़ जाता है। हम भारत से अच्छे संबंध चाहते हैं, लेकिन... मोहम्मद यूनुस ने खोला बड़ा राज, हसीना को लेकर कही ये बात।

लॉस एंजिलिस में विरोध प्रदर्शन के दौरान नेशनल गार्ड की तैनाती अवैध; संघीय जज का आदेश

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। लॉस एंजिलिस में आव्रजन के विरोध में चल रहे प्रदर्शनों के दौरान नेशनल गार्ड की तैनाती के फैसले को संघीय अदालत ने खारिज कर दिया है। संघीय न्यायाधीश ने एक आदेश में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कैलिफोर्निया से नेशनल गार्ड हटाने के लिए कहा है। आदेश में कहा गया कि गार्ड की तैनाती अवैध है। यह 10वें संशोधन का उल्लंघन है तथा ट्रंप के वैधानिक अधिकार का अतिक्रमण है।

अमेरिकी जिला न्यायाधीश चार्ल्स ब्रेयर ने कहा कि आव्रजन दमन के विरोध में शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद ट्रंप ने लॉस एंजिलिस में करीब चार हजार नेशनल गार्ड की तैनाती का आदेश देकर अपनी सीमा का अतिक्रमण किया है। कोर्ट ने कहा कि ट्रंप ने पहले ही गार्ड को उचित तरीके से नहीं बुलाया था। जज ने कहा कि इस देश की स्थापना एक राजा के प्रति सम्मान के रूप में की गई थी, और संविधान सीमाओं का एक दस्तावेज है। मैं यह पता लगाने का प्रयास कर रहा हूं कि सीमाएं कहां खींची गई हैं?

कैलिफोर्निया के गर्वनर ने दायर की थी याचिका

कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने नेशनल गार्ड की तैनाती को रोकने के लिए मुकदमा दायर किया था। उन्होंने आपातकालीन याचिका दायर कर जज से गार्ड को आव्रजन छापों में सहायता करने से रोकने का अनुरोध किया। गर्वनर ने तर्क दिया कि सैनिकों को संघीय भवनों की सुरक्षा के लिए तैनात किया गया था। कोर्ट से अपील की गई थी कि सैनिकों को छापों के दौरान आव्रजन एजेंटों की सुरक्षा करने से रोके। उन्होंने कहा कि गार्ड को शामिल करने से केवल तनाव बढ़ेगा और नागरिक अशांति को बढ़ावा मिलेगा। मेजर जनरल स्कॉट शेरमैन ने कहा कि बुधवार तक लगभग 500 गार्ड सैनिकों को आव्रजन अभियानों में एजेंटों के साथ जाने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। एजेंटों को सुरक्षा प्रदान करने वाले गार्ड सैनिकों की तस्वीरें आव्रजन अधिकारियों द्वारा पहले ही प्रसारित की जा चुकी हैं। शेरमैन टास्क फोर्स 51 के कमांडर हैं, जो लॉस एंजिलिस में भेजे गए गार्ड सैनिकों और मरीन की देखरेख कर रहे हैं।

ट्रंप ने भेजे 4,000 नेशनल गार्ड और 700 मरीन

बता दें कि ट्रंप प्रशासन ने हालिया विरोध प्रदर्शनों के बाद लॉस एंजिलिस में 4,000 नेशनल गार्ड और 700 मरीन तैनात किए हैं। मामले में ट्रंप प्रशासन का कहना है कि ये तैनाती फेडरल इमारतों और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए है। लेकिन कोर्ट में दायर दस्तावेजों के अनुसार, अब इन्हें आव्रजन छापों में मदद करने का आदेश दिया गया है, जिससे तनाव और अस्थिरता बढ़ने का खतरा है।

संक्षिप्त समाचार

वन क्षेत्र में अवैध उत्खनन कर परिवहन करते पाए जाने पर तीन ट्रेक्टर-ट्राली जप्त

रायसेन (निप्र)। मुख्य वनसंरक्षक भोपाल वृत्त भोपाल श्री राजेश कुमार खरे के निर्देशन में वन मण्डलाधिकारी सामान्य वनमण्डल रायसेन श्रीमती प्रतिभा शुक्ला के मार्गदर्शन में गत दिनों परिक्षेत्र रायसेन पूर्व की बीट बड़ौदा-सांचेत के वन कक्ष क्रमांक आरएफ 386 में रात्रि में मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर वन क्षेत्र में अवैध उत्खनन कर मिट्टी का ट्रेक्टर-ट्राली से परिवहन करते हुए पाए जाने पर तीन ट्रेक्टर-ट्राली मय वनोपज के जप्त की गईं। साथ ही मौके से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर भारतीय वन अधिनियम 1927 की धाराओं के तहत वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध कर प्रकरण को विवेचना में लिया गया। इस कार्यवाही में एसडीओ रायसेन श्री सुधीर पटले, वन परिक्षेत्र अधिकारी रायसेन पूर्व श्री प्रवेश पाटीदार सहित अन्य वनकर्मियों का विशेष योगदान रहा।

अमउखेड़ा गांव में जन चेतना शिविर का आयोजन हुआ

विदिशा (निप्र)। विदिशा के ग्राम अमउखेड़ा में आपदा से बचाव संबंधी जन चेतना शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में एसडीईआरएफ की टीम द्वारा बाढ से पूर्व तैयारी, आग की घटना में बचाव, घरेलू उपकरणों से बचाव राफ्ट बनाना, कंबल, चादर से स्ट्रेचर बनाना, सीपीआर देना, घायलों को प्राथमिक उपचार देना, सांप के काटने पर त्वरित कार्यवाही और सावधानियां तथा ड्राई रेस्क्यू, वज्रपात के दौरान की जाने वाली कार्यवाही के बारे में जानकारी दी। आम जनों की सचेत, मौसम मोबाइल ऐप की भी जानकारी दी गई व उन्हें डाउनलोड करने के लिए कहा गया। कार्यक्रम दौरान पंचायत सरपंच आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका एवं आशा, सहायक सचिव कोटवार एवं ग्रामीण उपस्थित रहे एवं बारिश के दौरान जलमग्न स्थानों को पार न करने की शपथ भी दिलाई गई।

कुआंखेड़ी गांव में जन चेतना शिविर का आयोजन हुआ

विदिशा (निप्र)। विदिशा की ग्राम पंचायत कुआंखेड़ी में आपदा से बचाव संबंधी जन चेतना शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें एसडीईआरएफ टीम द्वारा बाढ से पूर्व तैयारी, आग की घटना में बचाव, घरेलू उपकरणों से बचाव राफ्ट बनाना ,कंबल, चादर से स्ट्रेचर बनाना, सीपीआर देना, घायलों को प्राथमिक उपचार देना , सांप के काटने पर त्वरित कार्यवाही और सावधानियां तथा ड्राई रेस्क्यू , वज्रपात के दौरान की जाने वाली कार्यवाही के बारे में जानकारी दी।

वर्षाकाल के दौरान प्रदाय किए जाने वाले पेयजल का किया जाए सतत् परीक्षण : कलेक्टर

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने वर्षाकाल के दौरान जल स्त्रोतो से प्रदाय किये जाने वाले पेयजल के नमूनों का सतत् परीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। कई बार अतिवृष्टि एवं बाढ़ के कारण जल प्रदूषित हो जाता है, उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जिन जल स्त्रोतों से आमजन को पेयजल प्रदाय किया जाता है उस जल का वर्षाकाल के दौरान सतत् परीक्षण किया जाए, ताकि नागरिकों को दूषित जल से होने वाले नुकसान से बचाया जा सके। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि पेयजल दूषित न हो इसके लिए किये जाने वाले प्रबंधन की कार्यवाही उच्च प्राथमिकता से की जाये। इसके साथ ही पेयजल स्त्रोतो से जल प्रदाय लाईनो के क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में शीघ्रता पूर्वक मरम्मत करते हुए पेयजल प्रदाय किया जाए।

भूअर्जन के पश्चात रेलवे को दिलाया भूमि का कब्जा

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार भैरूंदा तहसील के ग्राम झकलाय में भू अर्जन के पश्चात रेलवे को भूमि का कब्जा दिलाया गया। भूअर्जन की कार्रवाई के तहत किसानों की 12.427 हैक्टेयर भूमि तथा 1.029 हैक्टेयर शासकीय भूमि पर रेलवे को कब्जा दिलाया गया। इस भूमि का किसानों को मुआवजा वितरण किया जा चुका है। कब्जा दिलाने की यह कार्रवाई भैरूंदा एसडीएम श्री मदनसिंह रघुवंशी के नेतृत्व में नायब तहसीलदार श्री संदीप गौर द्वारा की गई।

शिविरों के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को विभिन्न सेवाओं एवं योजनाओं से किया जाएगा लाभान्वित

कलेक्टर ने चिन्हित गांवों के जनजातीय समुदाय के नागरिकों से की धरती आबा अभियान के तहत योजनाओं का लाभ लेने की अपील

अभियान के तहत जिले के 80 ग्रामों में 15 से 30 जून तक लगेंगे शिविर

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के ने 15 जून से 30 जून तक चलाए जाने वाले धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत चिन्हित किए गए सीहोर जिले के 80 गांवों के जनजातीय समुदाय के नागरिकों से अभियान के तहत लगने वाले शिविरों में उपस्थित होने और योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य जनजातीय आबादी के लिए समान अवसरों का सृजन, सामाजिक-आर्थिक स्तर का विकास, बुनियादी ढांचे में सुधार और स्वास्थ्य, शिक्षा एवं आजीविका के क्षेत्र में ठोस प्रगति लाना है। जिले के 80 गांवों में इस अभियान के तहत 15 जून से 30 जून तक शिविर लगाए जाएंगे।

उन्होंने अपील की है कि सभी पात्र हितग्राही शिविरों में उपस्थित हों और पात्रतानुसार शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ लें, ताकि जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों का भी निरंतर विकास हो सके और कोई भी पात्र हितग्राही योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने के लिए 15 जून से 30 जून 2025 तक धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान संचालित किया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य लक्षित हस्तक्षेपों के माध्यम से देश भर के जनजातीय क्षेत्रों में सेवाओं और बुनियादी ढांचे को संतृप्त करना है।

इस अभियान के तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा की जनजातीय क्षेत्रों में निवास करने वाले नागरिकों की पात्रतानुसार सभी शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं तक पहुंच हो सके। इस अभियान के तहत सीहोर जिले के 80 जनजातीय बाहुल्य गांवों में 15 जून से 30 जून तक शिविरों का आयोजन किया जायेगा। इस अभियान के तहत सीहोर जिले के 80 जनजातीय बाहुल्य ग्रामों के 15, 736 परिवार लाभान्वित होंगे।

विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं तक जनजातीय समुदाय की पहुंच होगी सुनिश्चित : धरती आबा अभियान के तहत चिन्हित 80 गांवों में धरती आबा अभियान के तहत लगाये जाने वाले शिविरों में हितग्राहियों के आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, समग्र आईडी, ई-केवायसी एवं जाति प्रमाण पत्र बनाये जायेंगे तथा सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रोफाइल पंजीयन एवं बैंक खाते खोलने के कार्य किये जायेंगे। इसके साथ ही राशन कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड का वितरण तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में नामांकन सहित विभिन्न योजनाओं के आवेदन और स्वीकृति की कार्यवाही भी शिविरों में की जायेगी।

शिविरों के माध्यम से विभिन्न योजनाओं और सेवाओं का लाभ जनजातीय वर्ग के प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुँचाया जायेगा। अभियान के तहत शिविरों का आयोजन जिला प्रशासन, सीएससी, स्थानीय अधिकारियों तथा फ्रंटलाइन वर्कर्स के समन्वित प्रयास से होगा।

डॉ. मीनाक्षी पटेल निलंबित

हरदा (निप्र)। जिला अस्पताल हरदा में पदस्थ डॉक्टर मीनाक्षी पटेल को नर्मदापुरम के संभाग आयुक्त श्री के जी तिवारी ने तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं। निलंबन अवधि में डॉक्टर मीनाक्षी पटेल का मुख्यालय कलेक्ट्रेट जिला हरदा रहेगा, तथा उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता रहेगी। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी जिला हरदा से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर डॉ. मीनाक्षी पटेल के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए संभाग आयुक्त नर्मदापुरम को प्रस्ताव भेजा था जिसके आधार पर यह कार्यवाही की गई है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एच पी सिंह ने बताया कि डॉ मीनाक्षी पटेल द्वारा जिला अस्पताल में गर्भवती महिलाओं के उपचार, प्रसव एवं सीजिरियन आपरेशन के लिए नि:शुल्क व्यवस्था होने के बाबजूद भी उनसे धनराशि की मांग की जाती थी, तथा ओपीडी के समय निजी क्लीनिक में सेवाएं देने के संबंध में शिकायतें प्राप्त हुई थी। इसके अलावा गत दिनों थाना प्रभारी सिराली द्वारा अपराध क्रमांक 185/25 धारा 137 (2), 87,65 (2) वीएनएस 5/6 पाक्सों एक्ट के तहत डॉ मीनाक्षी पटेल, द्वारा पीडिता का मेडिकल परीक्षण नहीं किया गया तथा जिला चिकित्सालय में स्थापित पुलिस कंट्रोल रूम में तैनात कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार किया गया।

ग्राम बिछिया और बरखेड़ा जागीर में शिविर का आयोजन हुआ

विकसित कृषि संकल्प अभियान

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले मे किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग तथा कृषि संबद्ध विभाग द्वारा खरीफ पूर्व विकसित कृषि संकल्प अभियान का संचालन 29 मई से 12 जून 25 तक किया जा रहा है। अभियान तहत आज बिछिया तहसील शमशाबाद तहसील के ग्राम बिछिया और बरखेड़ा जागीर में शिविर का आयोजन किया गया था। बिछिया गांव मेऔ आयोजित शिविर में स्थानीय तहसीलदार ने अपनी उपस्थिति में राजस्व विभाग से संबंधित जानकारियां सांझा की। वहीं अन्य विभागों के खंड स्तरीय अधिकारी कर्मचारियों ने आयोजन के उद्देश्यों व विभागीय योजनाओं, कार्यक्रमों को सांझा करते हुए किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। शिविर में कृषि वैज्ञानिक द्वारा कृषि क्षेत्र में प्रगति के द्वार कैसे खोलें इसके लिए क्या करें, क्या ना करे से अवगत कराते हुए नवाचारों का खेतों में उपयोग करने का कृषकों से आव्हान किया है। अभियान के उद्देश्यों को रेखांकित कर खरीफ पूर्व तैयारी के लिए उन्नत एवं वैज्ञानिक तकनीकों , नवीन अनुसंधानों एवं राज्य सरकार की योजनाओं, प्राकृतिक खेती, जल प्रबंधन फसल विविधिकरण, पशुपालन, उद्यानिकी, मछली पालन एवं कृषि यंत्रीकरण की जानकारियों से अवगत कराया गया ताकि, कृषकों की आय में वृद्धि हो और वे सतत् कृषि पद्धतियों को अपना सकें। शिविर में किसानों को नरवाई ना जलाने के लिए प्रेरित करते हुए नरवाई जलाने से मिट्टी व पर्यावरण को होने वाले नुकसानों के बारे में बताया गया। साथ ही कृषक बंधुओं को नवीन किस्मो, फसल में आने वाले रोग कीट एवं रोकथाम की जानकारी दी, आईसीटी का उपयोग, डीएसआर, फसल विविधिकरण की नवीन तकनीकों से किसानो को अवगत कराया गया। खाद के वेकल्पिक नैनो यूरिया, नेनो डीएपी के उपयोग की अनुशंसा की।

पीएम जनमन योजना ने परिवार की जिंदगी बदली, मिट्टी का घर बन गया पक्का

विदिशा (निप्र)। पीएम जनमन योजना से लाभान्वित हितग्राहियों की जिंदगी बदल रही है योजना तहत निर्धारित मापदंडो के तहत उन्हें लाभान्वित कर बुनियादी सुविधाओं की पूर्ति की जा रही है।

श्रीमती राधाबाई एक अनुसूचित जनजाति समुदाय की नागरिक हैं, जिनके पास रहने के लिए पक्का घर नहीं था और ना ही बिजली, पानी एवं अन्य सुख सुविधाएं थी। वे अपने परिवार के साथ शमशाबाद तहसील की ग्राम पंचायत पिपरिया के ग्राम रामनगर में मिट्टी के बने एक कच्चे झोपड़ीनुमां घर में बड़ी मुश्किलों में अपना जीवन यापन कर रही थी, कच्चा घर बरसात के समय अक्सर गिरने की कगार पर होता था।

2023 में जब केंद्र सरकार ने आदिवासी समुदायों के लिए प्रधानमंत्री जन-मन योजना की शुरुआत की, तो ग्राम पंचायत स्तर पर सर्वेक्षण हुआ जिसमें श्रीमती राधाबाई का नाम चयनित हुआ और उन्हें पीएम जनमन योजना के तहत आवास की स्वीकृति मिली और आज पीएम जनमन योजना अंतर्गत श्रीमती राधा बाई का भी

पक्का मकान बनाकर तैयार हो गया है। अब पक्के मकान में बारिश का पानी भरने का खतरा नहीं है और ना ही किसी भी प्रकार के अन्य जीव जंतुओं का खतरा है। बारिश के समय जो कच्चा घर गिरने की कगार पर होता है वह अब पक्का बन चुका है।

योजना अंतर्गत पक्का आवास व अन्य योजनाओं का लाभ मिलने पर हितग्राही व उनके परिवार ने केंद्र व राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है। श्रीमती राधाबाई बताती हैं कि पहले जरूरी दस्तावेज ना होने के कारण उन्हें कई योजनाओं का लाभ लेने हेतु दस्तावेज पूर्ति में कॉफी समस्या आती थी। लेकिन पीएम जनमन योजना के प्रारंभ हो जाने से ग्राम में आयोजित शिविर में ही जरूरी दस्तावेज बनाए गए हैं जैसे आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र इत्यादि और इन सभी दस्तावेजों की मदद से उन्हें शासकीय योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

बाल विवाह कराने पर परिजनों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज

विदिशा (निप्र)। चाईल्ड हेल्पलाईन 1098 पर शिकायत प्राप्त हुई थी कि नाबालिग बालिका एवं बालक का बाल विवाह हुआ है। शिकायत को तत्काल संज्ञान में लेते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनिता लोढा एवं सहायक संचालक श्रीमती आकांक्षा मरावी के निर्देशन में जांच हेतु महिला एवं बाल विकास विभाग विदिशा से श्री मुकेश ताम्रकार को ग्राम गूलरखेड़ी गुलाबगंज भेजा गया। मौके पर बालिका के शैक्षणिक दस्तावेज में उम्र 16 वर्ष पायी गई। बालिका की मां द्वारा झूठी जानकारी दी गई थी कि मेरी बेटी का विवाह नहीं हुआ है। पड़ोसियों एवं आसपास जानकारी लेने पर ज्ञात हुआ कि बालिका का बाल विवाह हुआ है एवं बालक ग्राम घोसुआ थाना गुलाबगंज का निवासी है। टीम द्वारा ग्राम घोसुआ पहुंचकर

बालक के शैक्षणिक दस्तावेज चेक किए गए। जिसमें बालक की उम्र भी 20 वर्ष पायी गई। बालक एवं बालिका दोनों की उम्र निर्धारित आयु सीमा से कम है।

दोनों का बाल विवाह ग्राम सेमरा तहसील बैरसिया, जिला भोपाल में हुआ था। महिला एवं बाल विकास विभाग एवं एक्सेस टू जस्टिस फेस फोर की टीम प्रभारी सुश्री दीपा शर्मा द्वारा गुलाबगंज थाने में उपस्थित होकर बालक एवं बालिका के साक्ष्य एवं आयु संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत किये गए।

सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती अनीता गुप्ता महिला एवं बाल विकास ग्यारसपुर द्वारा लिखित आवेदन एवं प्रतिवेदन दिया गया जिसके आधार पर गुलाबगंज थाने में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम की धारा 9 एवं 10 के तहत परिजनों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज की गई है।

कलेक्टर श्री जैन ने झाडपा, कायागांव, खेड़ा व भादूगांव का दौरा किया

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने बुधवार को हरदा विकासखंड के ग्राम झाडपा नवीन, कायागांव, खेड़ा व भादूगांव का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने झाडपा नवीन गांव मे आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर बच्चों के टीकाकरण एवं पोषण आहार वितरण की जानकारी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से ली। उन्होंने ग्राम झाड़पा में उचित मूल्य दुकान का भी निरीक्षण कर खाद्यान्न की तुलाई मशीन चेक की और सेल्समैन से खाद्यान्न वितरण के संबंध में पूछताछ की। कलेक्टर श्री जैन ने ग्राम कायागांव के स्कूल का निरीक्षण किया इस दौरान शिक्षकों एवं ग्रामीणों ने गांव में विद्युत कटौती की समस्या बताई जिस पर उन्होंने विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्री जैन ने कायागांव से साल्याखेड़ी रोड मरम्मत करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने भादूगांव मे स्कूल का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री जैन ने ग्राम खेड़ा में उचित मूल्य की दुकान के निरीक्षण के दौरान सेल्समैन से खाद्यान्न, शक्कर व नमक के उपलब्ध स्टॉक और वितरण के संबंध में पूछताछ की। उन्होंने खाद्यान्न तुलाई मशीन को चेक किया।

पॉलीटेक्निक कॉलेज मे प्रवेश का दूसरा चरण प्रारंभ

17 जून तक करा सकते हैं रजिस्ट्रेशन

रायसेन (निप्र)। शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज रायसेन में प्रथम चरण के प्रवेश उत्सव के साथ दूसरे चरण की काउंसलिंग प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 17 जून 2025 है। रजिस्ट्रेशन तथा काउंसलिंग प्रक्रिया के प्रचार-प्रसार हेतु प्राचार्य एवं संस्था के शिक्षकों द्वारा प्रवेश रथ रवाना किया गया। प्राचार्य डॉ एसपी कोरी ने अवगत कराया कि 10वीं के बाद प्रथम वर्ष एवं 12वीं गणित अथवा आईटीआई उत्तीर्ण विद्यार्थी द्वितीय वर्ष में संस्था में संचालित 3 वर्षीय इंजीनियरिंग डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं। कक्षा 10वीं के बाद 3 वर्षीय डिप्लोमा के 2 वर्ष पूर्ण करने पर एनईपी के तहत 12वीं की समकक्षता है। प्राचार्य ने बताया कि डिप्लोमा

उत्तीर्ण करते ही प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेज में द्वितीय वर्ष में प्रवेश का अवसर तथा डिप्लोमा के साथ-साथ प्राप्त 12वीं के आधार पर अन्य स्नातक कोर्स का अवसर सुरक्षित है या विद्यार्थी आगे नहीं अध्ययन करने की स्थिति में कॉलेज द्वारा शत प्रतिशत प्लेसमेंट कराया जाता है। तीन वर्षीय डिप्लोमा हेतु शासन की पोस्ट मैट्रिक (अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व. के विद्यार्थियों को) छात्रवृत्ति में लगभग रू. 12 हजार रू वार्षिक, अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति में लगभग रू. 10 हजार रू वार्षिक एवं संबल छात्रवृत्ति में शिक्षण शुल्क प्राप्त होती है। इसी प्रकार एआईसीटीई द्वारा बेटियों को प्रगति छात्रवृत्ति में, दिव्यांगों को सक्षम छात्रवृत्ति में, तथा कोविड-19 के कारण अनाथ हुए बच्चों को स्वनाथ छात्रवृत्ति में 50 हजार रू वार्षिक तथा यशस्वी छात्रवृत्ति में सभी वर्गों के विद्यार्थियों को 30 हजार रू वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। कॉलेज की फीस मात्र रु. 7820 है जिसकी छात्रवृत्ति के साथ प्रतिपूर्ति हो जाती है। पात्र छात्र किसी भी योजना का लाभ ले सकते है। संस्था में प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन डीटीई एमपी ऑनलाइन पोर्टल से विद्यार्थियों द्वारा स्वयं अथवा कियोस्क अथवा महाविद्यालय में संपर्क कर किया जा सकता है। अधिक जानकारी हेतु संस्था मे कार्यालयीन समय मे उपस्थित होकर अथवा संपर्क मोबाइल नंबर 9329443475, 9654929463, 8223855832, 7987234232, 9826705903 पर संपर्क कर सकते है।

जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे रेत, गिट्टी, मुरुम के अवैध भंडारण एवं परिवहन पर खनिज विभाग की बड़ी कार्रवाई

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत खनिज विभाग द्वारा जिले के अलग-अलग स्थानों पर विगत चार दिवसों में लगातार बड़ी कार्यवाही की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 6 जून को रेलवे कंपनी द्वारा बिना अनुमति के रेत और गिट्टी खनिजों के अवैध भंडारण किए जाने की शिकायत पर संयुक्त रूप से खनिज एवं राजस्व अमले के द्वारा ग्राम पंचायत मरामझिरी के सरपंच एवं भूमि स्वामी की उपस्थिति में भंडारण स्थल की जांच की गई। मौका निरीक्षण करने पर पाया गया कि ग्राम मरामझिरी स्थित निजी भूमि खसरा क्रमांक 03 रकबा 1.032 हेक्टेयर के अंश भाग पर रेलवे कंपनी द्वारा बिना अनुमति के अवैध रूप से रेत एवं गिट्टी का भंडारण किया गया था। मौके पर रेत की मात्रा 3722 घन मीटर और गिट्टी की कुल मात्रा 5727 घन मीटर पाई गई। मौके पर उपस्थित एनपी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड रेलवे कंपनी में कार्यरत श्री नंदकिशोर राठौर द्वारा बताया गया कि कंपनी के द्वारा रेलवे की तीसरी लाइन में मरामझिरी से धाराखोह का निर्माण कार्य किया जा रहा है एवं उक्त कार्य के लिए खनिज रेत एवं गिट्टी के भंडारण की कोई अनुमति नहीं ली गई है।

उक्त खनिज मात्रा को जप्त कर अवैध भंडारण कर्ता के विरुद्ध मध्य प्रदेश खनिज अवैध खनन परिवहन तथा भंडारण का निवारण नियम 2022 के तहत कुल शास्ति की राशि 3 करोड़ 45 लाख 74 हजार 700 रूपए प्रस्तावित किया जाकर प्रकरण न्यायालय अपर कलेक्टर बैतूल में प्रस्तुत किया जा रहा है। इसके अलावा 9 जून को खनिज अमले ने बिना रॉयल्टी के मुरुम के अवैध परिवहन करते हुए एक डंपर क्रमांक एमपी 48 एच 1063 को खेड़ी सावलीगढ़ के पास जप्त किया गया। जिसे पुलिस की अभिरक्षा में खड़ा किया गया है। वहीं 10 जून को मुलताई और बैतूल क्षेत्र से दो डंपर क्रमशः यूपी 93 डीटी 1523 और एमपी 48 एच 1242 को गिट्टी/ मुरूम का अवैध परिवहन करते पाया गया, जिसे खनिज अमले ने जप्त कर पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है। उपरोक्त सभी प्रकरणों में मध्य प्रदेश खनिज अवैध खनन परिवहन तथा भंडारण का निवारण नियम 2022 के तहत कार्यवाही प्रस्तावित किया जाकर न्यायालय अपर कलेक्टर में प्रकरण प्रस्तुत किया जा रहा है।

स्वरोजगार मूलक योजनाओं से हितग्राहियों को समय पर लाभान्वित किया जाए : कलेक्टर श्री सूर्यवंशी

बैतूल (निप्र)। स्वरोजगार मूलक योजनाओं के प्रकरण बैंकों में प्रेषित कर उन्हें शीघ्र स्वीकृत और वितरित कराएं। ताकि हितग्राहियों को समय पर लाभ मिल सकें। यह निर्देश मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित समयसीमा की बैठक में कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक और संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए। उन्होंने मत्स्य पालन और पशुपालन विभाग को भी निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप केसीसी के प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर द्वारा टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना, बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना, डॉ.भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना की विस्तृत समीक्षा कर योजनाओं में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम मुद्रा योजना के भी निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए।उन्होंने जिले में संचालित शासकीय आईटीआई में प्रवेश प्रक्रिया शासन निर्देशों के अनुरूप कराएं जाने के निर्देश दिए।

जल संरचनाओं के निर्माण में प्रगति लाएं

जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा कर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने निर्देशित किया कि जल संसाधन विभाग नहरों को राजस्व अभिलेख में दर्ज कराने की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण कराएं। इस प्रकार पंचायत एवं ग्रामीण विकास भी अमृत सरोवर, खेत तालाब, सोखपीट इत्यादि जल संरचनाओं के निर्माण में प्रगति लाएं।

ब्लॉक स्तर पर ई ऑफिस प्रणाली का प्रभावी क्रियान्वयन कराएं

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि जिला स्तर पर ई ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन के पश्चात अब सभी विभाग अपने ब्लॉक स्तरीय कार्यालयों में भी ई ऑफिस का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराएं। कोई भी फाइल का ई ऑफिस के बिना मूवमेंट नहीं हो।

संपादकीय

खुल गई संभावनाएं, पूरे साल कारोबार का मिलेगा मौका

सड़कें और रेल पटरियां किसी भी देश की विकास रेखा मानी जाती हैं। यही आधारभूत ढांचे का सबसे मजबूत पक्ष होती हैं। इसलिए हर देश द्रुतगामी मार्गों और रेल पटरियों के विकास तथा विस्तार पर विशेष ध्यान देता है। जम्मू-कश्मीर की चिनाब नदी पर बने मेहराबदार पुल को इसी अर्थ में देखा जा सकता है। जम्मू-कश्मीर अभी तक देश के रेल संजाल से कटा हुआ था। इस पुल के चालू हो जाने के बाद वह भी देश की मुख्यधारा रेल यातायात से जुड़ गया है। यह दुनिया का सबसे ऊंचा पुल है, एफिल टावर से भी ऊंचा। इसे बनाना निस्संदेह बड़ी चुनौती थी।जिस इलाके में इसे बनाया गया है, वह भूकम्प की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील है। यहां हर समय भूकम्प का खतरा बना रहता है। फिर, ऊंचाई अधिक होने के कारण इस पर पड़ने वाले वायुदाब और मौसम के प्रकोप से बचाव के उपाय करना भी कठिन था। मगर काबिल अभियंताओं ने इन तमाम चुनौतियों को स्वीकार किया और एक मिसाल के रूप में इसे खड़ा कर दिया। इसे बनाने में लंबा समय लग गया। इस दौरान कई तरह की अड़चनों का भी सामना करना पड़ा। मगर अब इसके बन कर तैयार हो जाने से अनेक कठिनाइयां दूर हो जाने की उम्मीद जगी है। हालांकि कश्मीर और लद्दाख सड़क मार्ग से अच्छी तरह जुड़े हैं। इन क्षेत्रों में नई सुरंगें बन जाने से सड़कों पर वाहनों की गति भी बढ़ गई है, मगर पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कों के जरिए आवागमन उस तरह कभी आसान और सुविधाजनक नहीं रहता, जिस तरह रेल पटरियों से होता है। रेल मार्ग के जरिए न केवल मुसाफिरों की आवाजाही सुगम हो जाती है, बल्कि माल ढुलाई में बहुत आसानी होती है। रेल मार्गों का विकास औद्योगिक उन्नति के लिहाज से बहुत जरूरी माना जाता है। इस अर्थ में चिनाब पुल के खुल जाने से कश्मीर में औद्योगिक विकास और रोजी-रोजगार के नए अवसर पैदा होने की संभावनाएं खुल गई हैं। वहां के हस्तशिल्प और कृषि उत्पाद अब आसानी से देश के बाजारों तक पहुंच सकेंगे। जो कश्मीरी युवा और बहुत सारे स्थानीय लोग आमतौर पर पर्यटन पर निर्भर थे और वर्ष के कुछ महीनों में ही कारोबार कर पाते थे, उन्हें अब पूरे साल कारोबार का अवसर मिल सकेगा। स्वाभाविक ही, इस तरह वहां बेरोजगारी कम होगी और जो युवा आतंकी संगठनों के बरगलाने से गुमराह हो जाया करते थे, उन्हें तरक्की का रास्ता नजर आएगा। चिनाब पुल शुरू हो जाने के बाद इस पर तेज रफ्तार गाड़ियों की आवाजाही बढ़ेगी, तो वहां सैलानियों का पहुंचना भी तेज होगा। पाकिस्तान की कोशिश रही है कि कश्मीर को किसी तरह भारत के दूसरे हिस्सों से अलग-थलग रखा जाए। इस तरह चिनाब पुल एक तरह से उसकी कोशिशों पर पानी फेरने में मददगार होगा। दूसरी बात कि यह पुल बन जाने से कश्मीर घाटी और लद्दाख तक सैन्य साजो-सामान और सैनिकों की पहुंच तेज हो जाएगी।

भारत का सदाबहार दोस्त रूस मन ही मन गदगद है, क्योंकि अमेरिका और नाटो देशों के खिलाफ जो चक्रब्यूह 15 देशों का समूह सोवियत संघ या उसका बचा हुआ सर्वाधिक शक्तिशाली धड़ा रूस आज तक नहीं रच पाया, उसे भारत ने महाभारत कालीन चक्रब्यूह विधा की तर्ज पर ऐसा रचा की, उसमें फंसकर अमेरिका और यूरोपीय संघ दोनों चिग्घाड़ मार मार कर बचाओ बचाओ की आवाज लगा रहे हैं। इधर, भारत के लिए परेशानियों का सबब बनते जा रहे चीन के खिलाफ भी भारत ने ऐसा चक्रब्यूह रचा है कि देर सबेर उसमें उलझकर वह बर्बाद हो जाएगा। इसके लिए भारत ताइवान, तिब्बत और उन मध्य एशियाई देशों जो सोवियत संघ से जुड़े थे, के साथ समझदारी भरे आतंकवाद विरोधी रिश्ते प्रगाढ़ कर रहा है।

आखिर अमेरिका, चीन और रूस के 'साम्राज्यवादी लव ट्रैंगल' को क्यों खटकता है भारत?

(कमलेश पांडे)

अरब और यूरोप में अपनी स्थिति मजबूत बनाने के लिए भारत ने रूस का सहयोग लिया और इस विशाल भूभाग पर अमेरिका और चीन दोनों को कूटनीतिक पटखनी देने का जो निश्चय किया है, उससे देर-सबेर दिल्ली-मास्को एक्सप्रेस वे की आधारशिला तैयार हो जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की शतरंजी विसात पर भारत ने अमेरिका को जो पटखनी दर पटखनी दी है, उसकी खुन्नस अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चेहरे पर साफ महसूस की जा सकती है। वहीं, भारत के सम्बन्ध में उनकी बदलती नीतियों से अब यह स्पष्ट परिलक्षित हो रहा है कि रूस और भारत के संयुक्त चक्रब्यूह में निरंतर फंसते जा रहे अमेरिका के पास अब चीन के समक्ष घुटने टेकने के अलावा और कोई चारा भी नहीं बचा है।

लेकिन आप यह जानकर और भी हैरत में पड़ जाएंगे कि इसके बाद भी अमेरिका की दुश्वारियां कम नहीं होने वाली हैं। ऐसा इसलिए की तेजी से वैश्विक महाशक्ति बनते जा रहे भारत ने अंतरराष्ट्रीय दुनियादारी में अमेरिका, चीन और रूस तथा इनके शागिर्द देशों/गठबंधन भागीदारों को साधते हुए खुद को आगे बढ़ाने का जो निश्चय किया है, उससे अमेरिका और चीन के होश फाख्ता हो चुके हैं।

वहीं, भारत का सदाबहार दोस्त रूस मन ही मन गदगद है, क्योंकि अमेरिका और नाटो देशों के खिलाफ जो चक्रब्यूह 15 देशों का समूह सोवियत संघ या उसका बचा हुआ सर्वाधिक शक्तिशाली धड़ा रूस आज तक नहीं रच पाया, उसे भारत ने महाभारत कालीन चक्रब्यूह विधा की तर्ज पर ऐसा रचा की, उसमें फंसकर अमेरिका और यूरोपीय संघ दोनों चिग्घाड़ मार मार कर बचाओ बचाओ की आवाज लगा रहे हैं।

इधर, भारत के लिए परेशानियों का सबब बनते जा रहे चीन के खिलाफ भी भारत ने ऐसा चक्रब्यूह रचा है कि देर सबेर उसमें उलझकर वह बर्बाद हो जाएगा। इसके लिए भारत ताइवान, तिब्बत और उन मध्य एशियाई देशों जो सोवियत संघ से जुड़े थे, के साथ समझदारी भरे आतंकवाद विरोधी रिश्ते प्रगाढ़ कर रहा है।

उधर, अरब और यूरोप में अपनी स्थिति मजबूत बनाने के लिए भारत ने रूस का सहयोग लिया और इस विशाल भूभाग पर अमेरिका और चीन दोनों को कूटनीतिक पटखनी देने का जो निश्चय किया है, उससे देर-सबेर दिल्ली-मास्को एक्सप्रेस वे की आधारशिला तैयार हो जाएगी।

इधर, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में भी

भारत अपनी स्थिति निरंतर मजबूत बना रहा है। अमेरिका के पड़ोसी देश कनाडा को भी वह देर सबेर काबू में कर लेगा, क्योंकि वहां पर पंजाबी लॉबी काफी मजबूत है।

ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका, चीन और रूस के बीच पूरी दुनिया को साम्राज्यवादी लिहाज से बांटने की जो डील करने वाले हैं, उसकी तैयारी में भारत सबसे बड़ा बाधक बन रहा है। जबकि कारोबारी से राष्ट्रपति बने ट्रंप ने अपनी योजनात्मक किताब में तीनों महाशक्तियों के बीच 3 ही पावर सेंटर्स होने की बात कही है और इसमें भारत के लिए कोई जगह नहीं है।

इस क्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप शायद यह भूल रहे हैं कि जिस ग्रेट ब्रिटेन से उन्होंने दुनिया की बादशाहत मिलकर छीनी है, अब वही यूरोपीय संघ की आड़ में अपना पुराना हिसाब किताब अमेरिका से चुकता करेगा। उसके इस मिशन में फ्रांस और इटली भी उसका साथ देंगे।

इधर, प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध का मुख्य खलनायक रहा जर्मनी एक बार फिर रूस के खिलाफ मुखर होकर तीसरा विश्व युद्ध करवाने पर आमादा है। वहीं रूस के सहयोगी चीन, उत्तर कोरिया, ईरान जैसे देश आपसी समझदारी से जो कुछ कर रहे है, उससे अरब का संघर्षभूमि बनना स्वाभाविक है। इसके बाद अमेरिका के सहयोगी जापान, ऑस्ट्रेलिया, इजरायल, सऊदी अरब की भी परेशानी बढ़ेगी।

देखा जाए तो साम्राज्यवादी नजरिए से अमेरिका-चीन-रूस, रूस-चीन-अमेरिका, चीन-रूस-अमेरिका के अलावा समय समय पर रूस-चीन-भारत, अमेरिका-चीन-भारत, अमेरिका-रूस-भारत आदि के जो साम्राज्यवादी चक्रब्यूह तैयार किये गए, उसमें से किसी में भारत नहीं फंसा। क्योंकि कुल मिलाकर भारत ही एक मात्र ऐसा देश है जो गुटनिरपेक्ष है। उसका दोस्त रूस भी उसकी गुटनिरपेक्षता में मददगार साबित हुआ है। ऐसे में चाहे अमेरिका-यूरोप गठबंधन हो या रूसी यूरेशिया-चीन-अरब गठबंधन, इनके बीच महायुद्ध होना स्वाभाविक है। ऐसे में गुटनिरपेक्ष भारत का महत्व बढ़ेगा।

वहीं भारत ने रणनीतिक लिहाज से रूस-यूक्रेन युद्ध और अमेरिका संरक्षित इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध से दूरी बनाकर रखी है। वह चीन-ताइवान युद्ध शुरू होने का इंतजार कर रहा है। इसी बीच अमेरिका-चीन ने भारत को पाकिस्तान से भिड़ाने की जो साजिश रची, उसको भी भारत ने अपने पक्ष में मोड़ लिया। इससे अमेरिका-चीन की जहां कलई खुली, वहीं रूस के साथ हमारे रिश्ते और प्रगाढ़ हुए।

भारत और इजरायल की समझदारी भी किसी से छिपी हुई नहीं है। यदि ग्रेटर इजरायल और ग्रेटर इंडिया का स्वप्न साकार हुआ तो दोनों मजबूत पड़ोसी बन जाएंगे। उधर ग्रेटर रूस बनने से वह भी हमारा पड़ोसी बन जाएगा। इससे अमेरिका व चीन के लिए यूरोप और एशिया में कोई जगह नहीं बचेगी, जबकि रूस का एक छत्र राज बढ़ेगा।

यही वजह है कि डोनाल्ड ट्रंप बौखलाए हुए हैं। जिस तरह से उन्होंने अपने सहयोगियों के साथ दगाबाजी की है, उसी तरह से उनके सहयोगी भी अब उनसे दगाबाजी कर रहे हैं। यही वजह है कि ट्रंप ने अपने सहयोगियों की आलोचना की है और दुनिया भर से अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने की बात की है।

स्वाभाविक है कि इससे रूस और चीन को फायदा होगा, जो यूरोप और एशिया में अमेरिकी सुरक्षा के खिलाफ ही सालों से काम करते आए हैं। यही वजह है ट्रंप की परिवर्तित नीतियों से सबसे ज्यादा डर अमेरिका के सहयोगियों में है।

बता दें कि कारोबारी से राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रंप के लिए सबसे प्यारा शब्द डील है। खासकर यदि बात चीन, रूस और भारत की हो तो अमेरिकी राष्ट्रपति और ज्यादा खुलकर सामने आ जाते हैं। दरअसल चीन, रूस और भारत से डील कर ट्रंप अपने अमेरिका में एक बड़ा संदेश देना चाहते हैं। वह यह कि वो उन नेताओं से डील कर सकते हैं, जिन्हें निगोसिएशन के टेबल पर लाना सबसे मुश्किल काम है।

बता दें कि एक अमेरिकी अखबार में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वे रूस के साथ व्यापार को सामान्य करना चाहते हैं। इससे ऐसा लग रहा है कि वे यूक्रेन के साथ युद्ध को सुलझाने के लिए मॉस्को पर दबाव कम करने का ऑफर दे रहे हैं। इसके साथ ही, वे चीन के नेता से फोन करने का आग्रह करके अपने वैश्विक व्यापार पर पड़ रहे छाया युद्ध के प्रभाव को कम करने की कोशिश कर रहे हैं।

वहीं, एक अन्य अमेरिकी मैग्जीन को दिए एक साक्षात्कार में ट्रंप ने दो टूक कहा है कि हम सभी डील करना चाहते हैं। क्योंकि मैं यानी अमेरिका एक विशाल स्टोर है। यह एक सुंदर स्टोर है जहां हर कोई यानी प्रत्येक देश खरीदारी करना चाहता है।

ऐसे में अमेरिकी अखबार का कहना है कि ट्रंप के दिमाग में रूस, चीन और भारत को लेकर कुछ और भी बड़ा हो सकता है। तब यह एक बहुत बड़ी डील होगी। लेकिन कुछ विदेश नीति विश्लेषकों का कहना है कि उनके कार्यों और बयानों से पता चलता है कि वे एक ऐसी दुनिया की कल्पना कर रहे हैं, जिसमें सिर्फ तीन ही बड़ी ताकतें हैं- संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और रूस। इन्हें मिलकर भारत का शोषण करना चाहिए। अमेरिका उन्हें रास्ता दिखाएगा और उनके घाटे को लाभ में बदल देगा।

कहने का तात्पर्य यह कि ट्रंप ने पूरी पृथ्वी का तीन हिस्सों में बंटवारा कर दिया है, जिसमें पावर सेंटर्स अमेरिका, चीन और रूस हैं। इसमें तेजी से उभरते भारत के लिए उन्होंने कोई जगह नहीं छोड़ी है, जो रूस और चीन के खिलाफ

भारत को भड़काने की उनकी नई साजिश हो सकती है। क्योंकि अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत के क्वाड का कबाड़ा तो उन्होंने खुद पुनः पाकिस्तान का साथ देकर निकाल दिया है।

कूटनीतिज्ञ बताते हैं कि यह सबकुछ 19वीं सदी की साम्राज्यवादी शासन शैली की तरह ही होगा। क्योंकि ट्रंप ने डेनमार्क से ग्रीनलैंड छीनने और कनाडा को अमेरिका में मिलाने की बात कही है। वो पनामा नहर को फिर से अमेरिकी कंट्रोल में लाने की भी अपनी योजना की घोषणा वो कर चुके हैं। इस प्रकार से उनकी यह सोच 19वीं सदी की साम्राज्यवादी रणनीतियों की तरह है, जब यूरोपीय ताकतों ने अफ्रीका और एशिया को 'स्पीयर ऑफ इन्फ्लुएंस' के तहत बांट लिया था।

आतंकवाद और पाकिस्तान-चीन से दो टूक बात करने का समय आ गया

(संतोष कुमार पाठक)

पाकिस्तान, अमेरिका और आतंकवाद इन तीनों के आपसी संबंधों की कहानी किसी से छिपी नहीं है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में स्काई न्यूज के साथ एक इंटरव्यू के दौरान बस अमेरिका की भूमिका पर फिर से मुहर लगाने का काम कर दिया था।

भारत और चीन के रिश्तों के लिहाज से यह सप्ताह बहुत ही ज्यादा महत्वपूर्ण होने जा रहा है। लेकिन उससे पहले जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके बाद भारत की बहादुर सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बारे में भी बात करना जरूरी है। भारत के सर्वदलीय सांसदों के प्रतिनिधिमंडल में शामिल 59 नेताओं और पूर्व राजनयिकों ने 33 देशों की यात्रा से वापस लौटने के बाद मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

भारत के इस प्रतिनिधिमंडल ने दुनिया भर में पाकिस्तान को बेनकाब करने की कोशिश की। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि पाकिस्तान और आतंकवाद, एक दूसरे के पर्यायवाची बन चुके हैं। हाल के दिनों में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ से लेकर पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी सहित कई नेता यह स्वीकार कर चुके हैं कि पाकिस्तान आतंकवाद को पनाह देता रहा है। अमेरिका की यात्रा पर गए बिलावल भुट्टो जरदारी का एक और बयान काफी चर्चा में है जिसमें आतंकवाद का ठीकरा उन्होंने अमेरिका पर ही फोड़ दिया है।

पाकिस्तान, अमेरिका और आतंकवाद इन तीनों के आपसी संबंधों की कहानी किसी से छिपी नहीं है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में स्काई न्यूज के साथ एक इंटरव्यू के दौरान बस अमेरिका की भूमिका पर फिर से मुहर लगाने का काम कर दिया था। ख्वाजा आसिफ के शब्दों पर गौर कीजिएगा। उन्होंने कहा था कि, हम करीब तीन दशक से अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों के लिए यह गंदा काम (आतंकवाद का समर्थन) कर रहे हैं। यह एक गलती थी और हमें इसकी कीमत चुकानी पड़ी, इसीलिए आप मुझसे यह कह रही हैं। अगर हम सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध में और 9/11 के बाद की जंग में शामिल नहीं होते, तो पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग होता।

जहां तक अमेरिका की बात है, वहां के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैए से उसकी पोल लगातार खुल रही है। पाकिस्तान पर एक के बाद एक अमेरिका जिस तरह की मेहरबानी कर रहा है,वह भी पूरी दुनिया देख रही है। लॉस एंजिल्स में जो कुछ हुआ उसके बाद अमेरिकी जनता को भी अहसास होने लगा है कि उन्होंने कितनी बड़ी गलती कर दी है।

भारत अमेरिकी संबंधों में मचे घमासान के बीच अब हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता अपने सीमाओं की सुरक्षा और पड़ोसी देशों से बेहतर तालमेल स्थापित करना होना चाहिए। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अब पड़ोसी चीन से दो टूक भाषा में बात करने का समय आ गया है। चीन पाकिस्तान को हर तरह की ना केवल मदद मुहैया करा रहा है बल्कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य देश होने के नाते आतंकवादी संगठनों, आतंकवादियों और पाकिस्तान के लिए ढाल का काम भी कर रहा है। चीन पाकिस्तान के बाद श्रीलंका, म्यामांर , बांग्लादेश और नेपाल के सहारे भी भारत की घेरेबंदी कर रहा है। आखिर भारत इसे कब तक बर्दाश्त कर सकता है ?

बताया जा रहा है कि, चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेइडोंग इस सप्ताह भारत की यात्रा पर आ सकते हैं। इस साल दोनों देशों के बीच यह दूसरी उच्चस्तरीय यात्रा होगी। इससे पहले, भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी जनवरी में चीन की यात्रा पर गए थे। वहां सुन और मिसरी ने आपसी रिश्तों को सामान्य करने के लिए कई मुद्दों पर सहमति जताई थी। लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जिस तरह से चीन ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया। उसके बाद से अब माहौल काफी बदल गया है।

भारतीय बाजार के बल पर अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने वाले चीन से अब यह तो पूछा ही जाना चाहिए कि वह पाकिस्तान के रास्ते पर क्यों चलना चाहता है? पाकिस्तान तो आतंकवाद को पालते-पालते एक असफल देश बन चुका है लेकिन चीन जैसे बड़े देश की आखिर क्या मजबूरी है कि उसे आतंकवादियों का साथ देना पड़ रहा है। भारत और चीन के बीच आपस में विवाद है, यह एक कड़वी सच्चाई है लेकिन दुनिया के दो प्रभावशाली और बड़े देश होने के नाते इसे सुलझाने के कई तरीके हो सकते हैं। बातचीत से अगर ये मामले सुलझ जाए तो इससे बेहतर कुछ और नहीं हो सकता लेकिन क्या चीन की सेना इतनी कमजोर हो चुकी है कि अब उसे भी भारत को परेशान करने के लिए पाकिस्तान जैसे नाकाम देश और आतंकवादियों का सहारा लेने की जरूरत पड़ रही है ?

वक्त आ गया है कि भारत को अब दो टूक शब्दों में चीन से इन सवालों का जवाब मांगना ही चाहिए क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं ही यह कह चुके हैं कि आतंकवाद और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते। आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की यह नीति सिर्फ पाकिस्तान के साथ ही नहीं अपनानी चाहिए बल्कि हर उस देश के साथ अपनानी चाहिए जो किसी भी सूरत में आतंकवादियों का बचाव करता है। भारत को यह कठोर संदेश भारत यात्रा पर आने वाले चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेइडोंग के जरिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग तक भेजना ही चाहिए। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

कभी हवा में टक्कर तो कभी समुंद्र में गिरा प्लेन, देश में हुए यह बड़े विमान हादसे

(अभिनय आकाश)

242 लोगों को लेकर लंदन जा रहा एयर इंडिया का विमान गुरुवार को अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास उड़ान भरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान पहले बीजे मेडिकल कॉलेज की मेस बिल्डिंग से टकराया और फिर अतुल्यम हॉस्टल से टकराया। हॉस्टल में सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर रहते थे। अहमदाबाद में हुए घातक विमान हादसे के बाद बचाव कार्य में नागरिक प्रशासन की सहायता के लिए भारतीय सेना के लगभग 130 कर्मियों को तैनात किया गया है। सेना ने एक बयान में कहा कि एक सैन्य अस्पताल को भी स्टैंडबाय पर रखा गया है। अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर जीएस मलिक ने विमान हादसे पर चिंता जताते हुए कहा कि दुर्घटना की भयावहता को देखते हुए किसी के बचने की संभावना बेहद कम लग रही थी, सिर्फ एक यात्री बचा है। उन्होंने कहा कि घायलों के इलाज के लिए अस्पताल लाया गया था, लेकिन उनकी हालत अत्यंत गंभीर थी और उन्हें बचा पाना कठिन साबित हो रहा था।

एआई 171 की दुखद दुर्घटना के बाद डीजीसीए रिपोर्ट से सबसे महत्वपूर्ण खुलासे में से एक ये है कि पायलटों ने उड़ान भरने के तुरंत बाद 'मेडे' कॉल जारी किया था। आपको बता दें कि अहमदाबाद हवाई अड्डे के पास मेघाणी नगर इलाके में बृहस्पतिवार दोपहर एअर इंडिया का लंदन जा रहा विमान उड़ान भरने के कुछ ही क्षण बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में चालक दल के 10 सदस्यों सहित 242 लोग सवार थे। एयर इंडिया का बयान सामने आया है। इसमें कहा गया है कि 169 भारतीय नागरिक, 53 ब्रिटिश नागरिक, 1 कनाडाई नागरिक और 7 पुर्तगाली नागरिक विमान में सवार थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि अहमदाबाद में हुए दुखद विमान हादसे के बारे में जानकर मैं बहुत व्यथित हूँ। यह एक हृदय विदारक आपदा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना को हृदय विदारक बताया और कहा कि इससे हम स्तब्ध और दुखी हैं। उन्होंने कहा कि वह प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रहे मंत्रियों और अन्य अधिकारियों के संपर्क में हैं।

भारत में हुई कुछ सबसे बड़ी हवाई दुर्घटनाओं पर डालें नजर

1. एयर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट 1344 (2020)

एयर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट 1344 7 अगस्त, 2020 को भारी बारिश के बीच कोझिकोड अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने का प्रयास करते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गई। महामारी के कारण विदेशों में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए वंदे भारत मिशन के तहत संचालित दुर्भाग्यपूर्ण बोइंग 737, टेबल-टॉप रनवे से फिसल गया, 110 फीट की खाई में गिर गया, और टक्कर लगने पर कई टुकड़ों में टूट गया। फ्लाइट में 190 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। दुर्घटना में 21 लोगों की जान चली गई, जिसमें दोनों पायलट भी शामिल थे। 75 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे।

2. एयर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट 812 (2010)

एयर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट 812, दुबई से मैंगलोर के लिए उड़ान भरने वाला बोइंग 737-800, 22 मई, 2010 को मैंगलोर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने का प्रयास करते समय एक दुखद दुर्घटना का शिकार हो गया। प्रथम अधिकारी द्वारा बार-बार गो-अराउंड के लिए कहे जाने के बावजूद, विमान अस्थिर दृष्टिकोण के कारण टेबल-टॉप रनवे से आगे निकल गया। परिणामस्वरूप, विमान रनवे के किनारे से फिसल गया, एक खड़ी ढलान से नीचे गिर गया, और आग की लपटों में घिर गया। विमान में सवार 166 लोगों में से 158 ने भारत की सबसे घातक विमानन दुर्घटनाओं में से एक में अपनी जान गंवा दी।

3. एलायंस एयर फ्लाइट 7412 (2000)

एलायंस एयर फ्लाइट 7412, बोइंग 737-28, 17 जुलाई, 2000 को पटना एयरपोर्ट के अंतिम दृष्टिकोण पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान घनी आबादी वाले आवासीय क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसके परिणामस्वरूप 60 लोगों की मौत हो गई, जिनमें से पाँच ज़मीन पर थे। जांच से पता चला कि दुर्घटना पायलट की गलती का नतीजा थी। विवरण के अनुसार, फ्लाइट क्रू ने उड़ान के एक महत्वपूर्ण चरण के दौरान इंजन को निष्क्रिय रखकर मानक संचालन प्रक्रियाओं से विचलन किया और सही स्टॉल रिकवरी प्रक्रिया का प्रदर्शन करने के बजाय स्टॉल चेतावनी मिलने के बाद गो-अराउंड का प्रयास किया।

4. चरखी दादरी दुर्घटना (1996)

12 नवंबर, 1996 को चरखी दादरी में हवाई टक्कर भारत में सबसे घातक विमानन दुर्घटनाओं में से एक है। इसमें 349 लोगों की जान चली गई थी, जब दो विमान - सऊदी अरब एयरलाइंस की फ्लाइट 763, दिल्ली से उड़ान भरने वाला बोइंग 747 और कजाकिस्तान एयरलाइंस की फ्लाइट 1907, दिल्ली पहुंचने वाला इल्यूशिन आईएल-76 - दिल्ली से लगभग 100 किलोमीटर पश्चिम में चरखी दादरी गांव के ऊपर आसमान में एक-दूसरे से टकरा गए थे। उस समय दोनों विमान दिल्ली एयर ट्रैफिक कंट्रोल के अधीन थे। जानकारी के अनुसार, गलत संचार के कारण एक विमान अपनी निर्धारित ऊंचाई से नीचे उतर गया, जिससे घातक टक्कर हुई।

5. इंडियन एयरलाइंस फ्लाइट 605 (1990)

14 फरवरी, 1990 को इंडियन एयरलाइंस फ्लाइट 605, एक एयरबस 320, बैंगलोर में उतरने की कोशिश करते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसके परिणामस्वरूप विमान में सवार 146 लोगों में से 92 की मौत हो गई। सही मोड चुनने में पायलट की गलती और ऊंचाई अलर्ट पर देरी से प्रतिक्रिया के कारण विमान ओपन डिसेंट मोड में इंजन के साथ नीचे उतरा। आग लगने से पहले विमान एक गोल्फ कोर्स और एक तटबंध से टकराया। जांचकर्ताओं को कोई यांत्रिक समस्या नहीं मिली और निष्कर्ष निकाला कि दुर्घटना चालक दल की गलती और खराब स्थितिजन्य जागरूकता के कारण हुई थी।

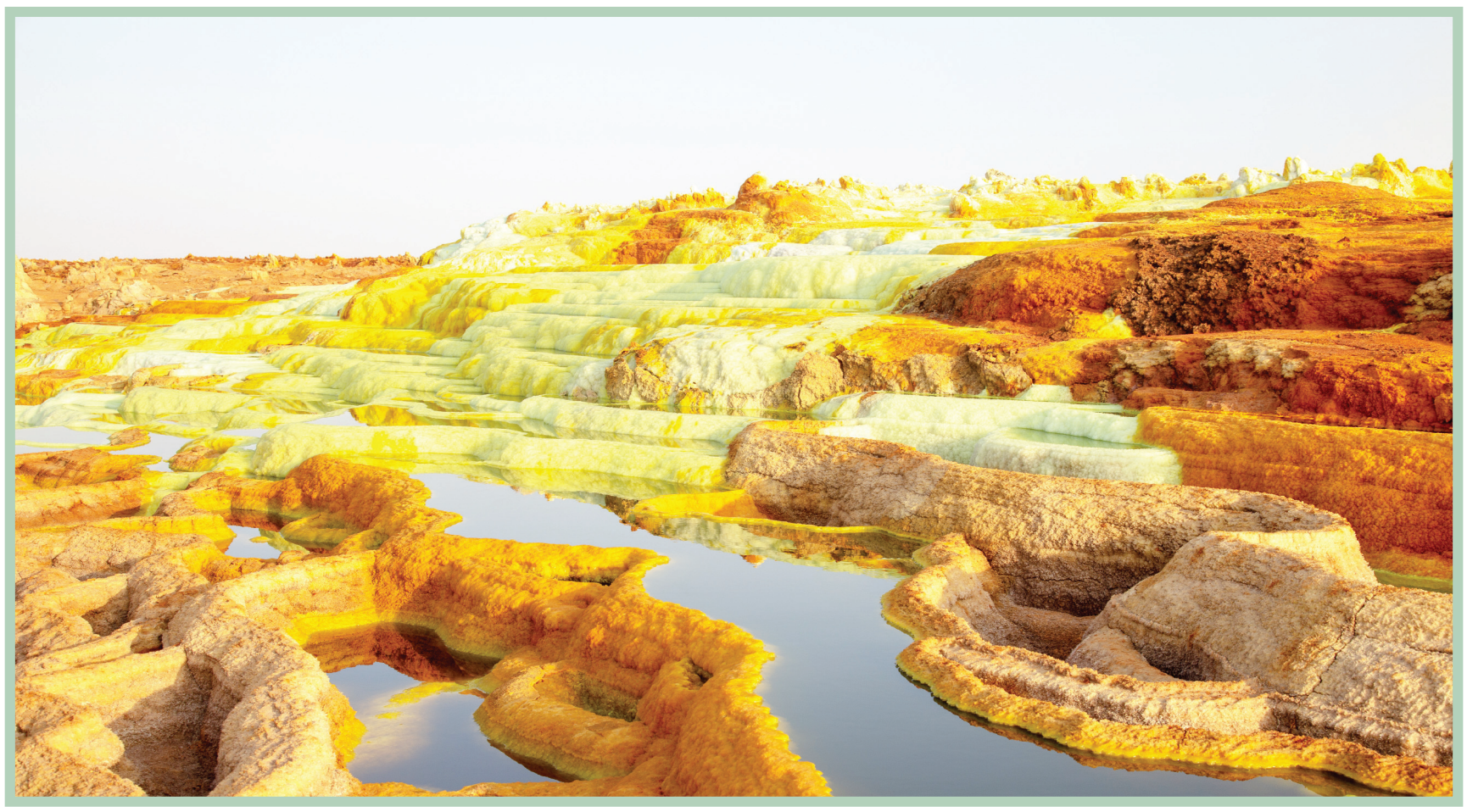

इथियोपिया में जमीन और आसमान से बरसती है आग डानाकिल डिप्रेशन कैसे बना?

इस धरती पर सभी जगहें और उनका तापमान एक जैसा नहीं होता है. हर जगह अलग-अलग मौसम और टेंपरेचर देखने को मिलता है. कहीं बहुत ठंड होती है तो कहीं बहुत गर्मी. ऊंचाई, भूमध्य रेखा से दूरी और समुद्री धाराओं के प्रभाव जैसे कई फैक्टर्स के कारण अलग-अलग जगहों पर तापमान अलग-अलग होता है.

पृथ्वी पर सबसे अजीब जगहों और नरक के प्रवेश द्वार और यहां तक कि मौत की भूमि के रूप में जाना जाने वाला दानाकिल डिप्रेशन इथियोपिया के सबसे लोकप्रिय आकर्षणों में से एक है. गर्म झरने, एसिड पूल, नमक के पहाड़ और भाप से भरी दरारें इसे एक दूसरे ग्रह जैसा बनाती हैं, और यही कारण है कि वैज्ञानिक सौर मंडल के अन्य ग्रहों के बारे में शोध करने के लिए इस स्थान का उपयोग करते हैं.

डानाकिल डिप्रेशन, जिसे अफार त्रिभुज भी कहा जाता है, इथियोपिया में स्थित एक जियोलॉजिकल डिप्रेशन है जो समुद्र तल से लगभग 125 मीटर नीचे है. यह दुनिया के सबसे गर्म और सबसे निचले स्थानों में से एक है, जहां तापमान 50 डिग्री सेल्सियस से भी अधिक हो सकता है. यह क्षेत्र तीन टेक्टोनिक प्लेटों के जंक्शन पर स्थित है, जिसके परिणामस्वरूप ज्वालामुखी गतिविधि और दरार घाटियों का निर्माण होता है.

डानाकिल डिप्रेशन कैसे बना?

दानाकिल इथियोपिया के सुदूर नॉर्थ ईस्ट भाग में स्थित जियोलॉजिकल डिप्रेशन अफार ट्रायंगल का एक हिस्सा है, जहां तीन टेक्टोनिक प्लेटें धीरे-धीरे अलग हो रही हैं. यह क्षेत्र लाल सागर का हिस्सा हुआ करता था. समय बीतने के साथ, ज्वालामुखी विस्फोट के कारण समुद्र भाप में बदल गया और उस स्थान से गायब हो गया.

आज से लगभग 50,000 साल पहले, इथियोपिया लाल सागर और अरब सागर से जुड़ा हुआ था, जिससे विशाल एडियन सागर बना था. लेकिन, जलवायु परिवर्तन और भू-आकृति में बदलाव के कारण, एडियन सागर धीरे-धीरे सिकुड़ गया और अंतत : गायब हो गया, जिससे इथियोपिया लैंडलॉक बन गया.

कैसा है यहां का क्लाइमेट

यहां का तापमान बहुत ज्यादा होता है और बारिश बहुत कम होती है. यहां पीले, नारंगी, लाल, नीले और हरे रंग की झीलें देखने को मिलती हैं. इन झीलों में रंग मैग्मा में मौजूद खनिजों और नमक के बीच प्रतिक्रिया से उत्पन्न होते हैं. यानी जब नमक मैग्मा में मौजूद खनिजों के साथ प्रतिक्रिया करता है, तो यह इन खूबसूरत रंगों को जन्म देता है. जैसे ही गर्मी पानी को वाष्पित करती है, जमीन पर रंगीन पपड़ी जैसी परतें विकसित होती हैं, जो रहस्यमय तरीके से डिप्रेशन में ठंडी फिरोजा झीलों के साथ मिल जाती हैं. वहीं, दानाकिल डिप्रेशन इथियोपिया में स्थित एक जगह है जहां सल्फ्यूरिक एसिड से भरी झीलें हैं, जिन्हें एसिड लेक या सल्फ्यूरिक पूल के रूप में जाना जाता है. ये झीलें पृथ्वी पर सबसे गर्म और नमकीन झीलों में से हैं.

अगर आप डानाकिल डिप्रेशन की यात्रा की योजना बना रहे हैं इसे ध्यान में रखें

डानाकिल बहुत गर्म और एसिडिक जगह है, इसलिए अगर आपको वहां कोई गीला तालाब या बुदबुदाता पूल दिखे तो उसमें अपनी उंगली न डुबोएं. इसके साथ ही उस क्षेत्र में चलने के लिए उपयुक्त जूते पहनें, भू-आकृति क्षेत्रों पर सावधानी से चलें, सही रास्ते और कहां कदम रखना है इसका ध्यान रखें, उस जगह पर घूमने के लिए स्थानीय गाइड की मदद लें इस क्षेत्र में घूमने का सबसे अच्छा समय नवंबर से मार्च के बीच है. हालांकि, तब भी तापमान बहुत अधिक और असहनीय होता है. दानाकिल डिप्रेशन के लिए दिन की यात्राएं आमतौर पर विक्रो शहर से सुबह 4 :00 बजे के आसपास शुरू होती हैं. इस जगह पर जाने के लिए हेलीकॉप्टर की सवारी भी उपलब्ध है.

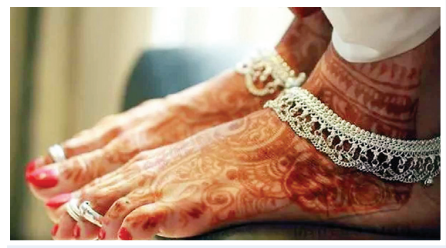

शादीशुदा महिलाओं को क्यों पहनने चाहिए

चांदी के आभूषण

हिंदू धर्म में आभूषणों को बहुत महत्व दिया जाता है. हिंदू धर्म में विवाहित महिलाओं के लिए सोलह श्रृंगार करना विशेष महत्व रखता है. इन्हीं में से एक है चांदी की पायल, जो आपने ज्यादातर भारतीय महिलाओं के पैरों में देखी होगी. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि शादी के बाद महिलाएं पैरों में घुंघरू वाली चांदी की पायल क्यों पहनती हैं? शास्त्रों में इन्हें पहनने के पीछे विशेष महत्व और लाभ बताए गए हैं, जो हर कोई नहीं जानता. ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि विवाहित महिलाएं पैरों में घुंघरू वाली चांदी की पायल क्यों पहनती हैं और शास्त्रों में इसके क्या लाभ बताए गए हैं...

शास्त्रों में चांदी को धन, समृद्धि और चंद्रमा का प्रतीक माना जाता है. ऐसे में इस धातु को पहनने से हमारे जीवन और घर में इन सभी चीजों पर भी असर पड़ता है. मान्यता है कि विवाहित महिलाओं के लिए घुंघरू वाली चांदी की पायल पहनना बहुत शुभ होता है. इससे घर में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है और ससुराल वालों को कभी पैसों की कमी नहीं होती. साथ ही चांदी को शीतलता, शांति और पवित्रता का प्रतीक भी माना जाता है. ऐसे में चांदी की पायल पहनने से शीतलता मिलती है और मन शांत और पवित्र रहता है.

यही कारण है कि वह महिलाएं चांदी की पायल पहनती हैं

ऐसा माना जाता है कि जब विवाहित महिलाएं पैरों में घुंघरू के साथ चांदी की पायल पहनकर घर में घूमती हैं तो बहुत ही मधुर ध्वनि सुनाई देती है. इससे उनके आसपास की नकारात्मक ऊर्जा नष्ट हो जाती है और उसकी जगह घर में सकारात्मकता बनी रहती है. साथ ही पायल की आवाज से परिवार के सदस्यों को मानसिक शांति मिलती है. ऐसा माना जाता है कि जब विवाहित महिलाएं घुंघरू के साथ चांदी की पायल पहनती हैं तो घर में हमेशा खुशियों का माहौल बना रहता है.

इसे विवाहित महिलाओं के सोलह श्रृंगार में से एक माना जाता है और इसे सौभाग्य की निशानी भी माना जाता है. जब महिलाएं चांदी की पायल पहनकर घर में घूमती हैं तो इसकी आवाज से आसपास का माहौल खुशनुमा हो जाता है और शरीर से नकारात्मकता भी दूर रहती है. ऐसा माना जाता है कि चांदी की पायल में लगी घुंघरू मन को एकाग्र रखने में मदद करती हैं और घर में सौभाग्य भी लाती हैं. इसी वजह से विवाहित महिलाओं के लिए चांदी की घुंघरू पहनना बहुत फलदायी माना जाता है.

फटी एड़ियों को सॉफ्ट और स्मूद बनाने के आसान घरेलू उपाय

पैरों की देखभाल के लिए हम अक्सर पेडीक्योर करवाते हैं, लेकिन फिर भी बहुत बार पैरों की एड़ियां फट जाती हैं और उनकी त्वचा कठोर हो जाती है। यही नहीं, सर्दी या गर्मी में त्वचा और भी ज्यादा रूखी और ड्राई हो जाती है। इसके बावजूद, सही देखभाल से आप अपनी एड़ियों को सॉफ्ट और मुलायम बना सकती हैं। इसके लिए आपको किसी महंगे ब्यूटी ट्रीटमेंट की जरूरत नहीं है। सिर्फ कुछ घरेलू उपाय अपनाकर आप फटी एड़ियों को फिर से सॉफ्ट और चिकना बना सकती हैं।

फटी एड़ियों को मुलायम बनाने के लिए जरूरी सामग्री

वैसलीन – 1 बड़ा चम्मच

नारियल तेल – ड्ड छोटा चम्मच

विटामिन श्व कैप्सूल – 2

पिघला हुआ मोम – थोड़ी सी मात्रा

इन सभी चीजों को एक बाउल में सही अनुपात में डालकर अच्छे से मिला लें। आप चाहें तो इन सामग्रियों को माइक्रोवेव में हल्का गर्म कर सकती हैं या फिर डबल बॉयलर का इस्तेमाल कर सकती हैं। ध्यान रखें कि मिश्रण हल्का गुनगुना ही रहे, न बहुत गरम हो।

मुलायम और सॉफ्ट एड़ियां बनाने के लिए तरीका

मिश्रण तैयार करने के बाद, इसे अपनी फटी एड़ियों पर अच्छे से लगाएं। इस मिश्रण को कम से कम 20 मिनट तक एड़ियों पर लगा रहने दें ताकि यह त्वचा में अच्छे से समा जाए। 20 मिनट के बाद इसे हल्के हाथों से साफ कर लें।

इस ट्रीटमेंट से मिलने वाले फायदे

यह आपकी एड़ियों को मुलायम, चिकना और शाइनी बनाएगा। स्किन की ड्राइनेस को कम करेगा और त्वचा को नमी देगा। नियमित रूप से इस ट्रीटमेंट के इस्तेमाल से आपके पैरों की त्वचा स्वस्थ और कोमल बनेगी। यह घरेलू उपाय न केवल आपकी एड़ियों को ठीक करता है, बल्कि इससे आपके पैरों की त्वचा को भी कई फायदे होते हैं। तो अगर आप भी फटी एड़ियों से परेशान हैं, तो यह आसान और सस्ते उपाय जरूर आजमाएं और अपने पैरों को दें एक नई जान। अगर आपको यह आर्टिकल पसंद आया हो, तो इसे अपने दोस्तों के साथ जरूर शेयर करें और नीचे दिए गए कमेंट सेक्शन में अपनी राय हमें जरूर बताएं!

रिमझिम बारिश में एक्सप्लोर करें महाराष्ट्र का संगमेश्वर

वीकेंड में बनाएं घूमने का प्लान

महाराष्ट्र में जब भी बारिश होती है, तो लोनावला से लेकर माथेरान और महाबलेश्वर जैसी जगहों पर पर्यटकों की भीड़ लगने लगती है। वहीं महाराष्ट्र की फेमस जगहों से दूसर संगमेश्वर एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है।

महाराष्ट्र हमारे देश का एक खूबसूरत और प्रमुख राज्य है। महाराष्ट्र एक ओर से अरब सागर और दूसरी ओर से सतपुड़ा पर्वतमाला से घिरा हुआ है। यह एक ऐसा राज्य है, जो रिमझिम बारिश में पर्यटन हब का सबसे बड़ा केंद्र माना जाता है। महाराष्ट्र में जब भी बारिश होती है, तो लोनावला से लेकर माथेरान और महाबलेश्वर जैसी जगहों पर पर्यटकों की भीड़ लगने लगती है। वहीं महाराष्ट्र की फेमस जगहों से दूसर संगमेश्वर एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। वहीं हल्की रिमझिम बारिश में संगमेश्वर की खूबसूरती किसी हसीन खजाने से कम नहीं लगती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको संगमेश्वर की खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं।

महाराष्ट्र में संगमेश्वर

संगमेश्वर की खासियत और खूबसूरती बेहद कमाल की है। यह रत्नागिरी में स्थित एक खूबसूरत और मनमोहक जगह है। संगमेश्वर महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से करीब 284 किमी, पुणे से 247 किमी और कोल्हापुर से करीब 120 किमी दूर है।

क्यों फेमस है संगमेश्वर

महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में स्थित संगमेश्वर भले ही एक छोटा सा शहर है, लेकिन यह जगह अपने धार्मिक, ऐतिहासिक महत्व और खूबसूरत पर्यटन स्थलों के लिए पूरे राज्य में फेमस है। खासकर यह जगह संगमेश्वर मंदिर और संगमेश्वर शहर के लिए फेमस है। जोकि भगवान शिव को समर्पित है।

संगमेश्वर महाराष्ट्र का एक ऐसा शहर है, जो शास्त्री नदी और सोनावी नदी के संगम पर स्थित है। इसके चलते यहां पर रिमझिम बारिश में राज्य के हर कोने से लोग घूमने के लिए आते हैं। इस स्थान को रत्नागिरी का छिपा हुआ खजाना भी माना जाता है। वहीं गमेश्वर वहीं स्थान है, जहां पर औरगंजेब ने छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे छत्रपति संभाजी महाराज को बंदी बनाया था।

पर्यटकों के लिए क्यों खास है ये जगह

संगमेश्वर का इतिहास प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग माना जाता है। रिमझिम बारिश में स्थित वॉटरफॉल से लेकर घास के मैदान और नदियों की खूबसूरती इस जगह को बेहद खूबसूरत बनाने का काम करती है। संगमेश्वर की हरियाली देखते ही बनती है।

संगमेश्वर अपने शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। शहर की भाग-दौड़ भरी जिंदगी से दूर संगमेश्वर में आप सुकून के कई पल बिताने के लिए पहुंचते हैं। संगमेश्वर अपनी खूबसूरती के साथ ही एडवेंचर एक्टिविटी के लिए भी जाना जाता है। कई लोग मानसून में यहां पर सिर्फ ट्रेकिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं।

संगमेश्वर मंदिर

संगमेश्वर के सबसे प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में संगमेश्वर मंदिर काफी फेमस है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। पहाड़ी की चोटी पर स्थित होने के कारण पर्यटक यहां घूमने के लिए पहुंचते रहते हैं। मंदिर के आसपास से बेहद

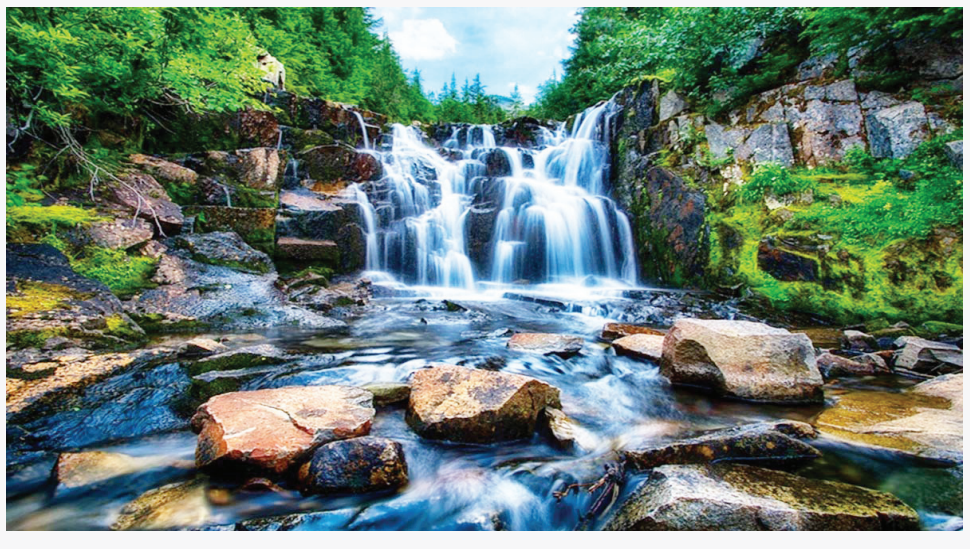

खूबसूरत नजारा देखने को मिलता है। कर्णेश्वर मंदिर को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं और यह मंदिर भी भगवान शिव को समर्पित है।

मार्लेश्वर वॉटरफॉल

संगमेश्वर के पहाड़ों में स्थित मार्लेश्वर एक फेमस और खूबसूरत वॉटरफॉल है। मानसून में यहां सिर्फ स्थानीय पर्यटक नहीं बल्कि अन्य कई शहरों से पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। यह वॉटरफॉल प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र है। यहां के आसपास की हरियाली पर्यटकों को खूब आकर्षित करती है। इसके साथ ही आप छत्रपति संभाजी महाराज की समाधि को एक्सप्लोर करना न भूलें।

आईसीआईसीआई बैंक और टाटा मेमोरियल सेंटर ने विशाखापट्टनम में

उन्नत कैंसर केयर ब्लॉक की आधारशिला रखी

● आईसीआईसीआई बैंक ने शहर में कैंसर देखभाल सुविधा का विस्तार करने के लिए टाटा मेमोरियल सेंटर को ?550 करोड़ से अधिक की राशि देने की प्रतिबद्धता जताई ● बैंक द्वारा टाटा मेमोरियल सेंटर को दिए गए 1,800 करोड़ के योगदान के तहत, यह ब्लॉक पूर्वी भारत में बाल और रक्त कैंसर के उपचार के लिए सबसे बड़ी सुविधाओं में से एक होगा

विशाखापट्टनम , एजेंसी। आईसीआईसीआई बैंक ने टाटा मेमोरियल सेंटर के साथ साझेदारी में आज विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश स्थित होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र में एक नए भवन के निर्माण की शुरुआत की घोषणा की। बैंक ने लगभग 3.9 लाख वर्गफुट क्षेत्र में अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक से युक्त भवन के निर्माण के लिए ?550 करोड़ से अधिक की राशि समर्पित की है।

निर्माणाधीन आठ मंज़िला भवन – आईसीआईसीआई फाउंडेशन ब्लॉक फॉर चाइल्ड एंड ब्लड कैंसर – प्रति वर्ष लगभग 3,000 मरीजों का उपचार करेगा। वर्तमान में एचबीसीएचआरसी, विशाखापट्टनम की क्षमता 6,200 मरीजों की है।

यह नया भवन पूर्वी भारत के सबसे बड़े विशेषीकृत कैंसर उपचार केंद्रों में से एक होगा, जिसमें 215 से अधिक बेड होंगे। इसके 2027 तक पूर्ण होने की संभावना है, जो अनुमोदनों के अधीन है। इस परियोजना का संचालन आईसीआईसीआई

बैंक की सीएसआर शाखा, आईसीआईसीआई फाउंडेशन फॉर इनक्लूसिव ग्रोथ द्वारा किया जाएगा।

इस भवन की आधारशिला आईसीआईसीआई बैंक के चेयरमैन श्री प्रदीप कुमार सिन्हा ने रखी। इस अवसर पर श्री संदीप बत्रा, कार्यकारी निदेशक, आईसीआईसीआई बैंक; और डॉ. सुदीप गुप्ता, निदेशक, टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई भी उपस्थित थे।

श्री सिन्हा ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में एन.के. राव ऑडिटोरियम का भी उद्घाटन किया। आईसीआईसीआई फाउंडेशन ने नए ऑडिटोरियम के लिए बुनियादी ढांचे और उपकरणों के साथ टीएमसी को सपोर्ट दिया है।

आईसीआईसीआई बैंक के चेयरमैन श्री प्रदीप कुमार सिन्हा ने कहा, हमें कैंसर देखभाल के लिए टीएमसी के साथ साझेदारी करने पर गर्व है, जो देश में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की हमारी फिलोस्फी के अनुरूप है। यह परियोजना जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए सुलभ और उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा देखभाल को सक्षम करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह प्रोजेक्ट बाल और रक्त कैंसर के लिए पूर्वी गलियारे में सबसे बड़े प्रोजेक्ट में से एक है। इसके जरिये आंध्र प्रदेश और आसपास के पूर्वी राज्यों के रोगियों की सेवा की जाएगी, जिससे कैंसर के इलाज की बढ़ती ज़रूरत को पूरा करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर, आईसीआईसीआई बैंक के कार्यकारी निदेशक श्री संदीप बत्रा ने कहा, आईसीआईसीआई बैंक में, स्वास्थ्य सेवा हमारे सीएसआर प्रयासों का एक प्रमुख हिस्सा है। दो वर्ष पूर्व हमने टाटा मेमोरियल सेंटर के साथ साझेदारी कर 1,200 करोड़ की प्रतिबद्धता के साथ विशाखापट्टनम, नवी मुंबई और न्यू चंडीगढ़ में तीन नए कैंसर ब्लॉक्स के निर्माण की घोषणा की थी। टीएमसी की नवीनतम आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अब हमने इस प्रतिबद्धता को ?1,800 करोड़ तक बढ़ा दिया है।

तनाएरा पहली बार साड़ियों पर लेकर आई 40 फीसदी छूट

भोपाल। टाटा की प्रोडक्ट तनाएरा ने वित्तीय वर्ष 25 में 930 फीसदी बढ़ोतरी दर्ज की और वित्तीय वर्ष 26 में भी शानदार शुरूआत की है। अपने उपभोक्ताओं को शादी-ब्याह की खरीददारी का बेजोड़ अनुभव प्रदान करते हुए तनाएरा विकास के इन रूझानों को लगातार जारी रखे हुए है। इसी क्रम में ब्राण्ड देश भर में अपनी पहली सेल लेकर आई है, जिसके तहत शुद्ध एवं प्राकृतिक फैब्रिक से बने परिधानों की सभी कैटेगरीज़- साड़ियों, रैडी-टू-वियर एन्सेम्बल्स, अनस्टिच्ड कुर्ता सेट और फेस्टिव लहंगा पर 40 फीसदी तक की छूट की घोषणा की गई है। देश के 41 शहरों में 80 स्टोर्स के नेटवर्क के साथ तनाएरा ने उपभोक्ताओं के पसंदीदा एथनिक वियर डेस्टिनेशन के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत बना लिया है। त्योहारों की शुरूआत के साथ इस सेल की घोषणा से उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं प्रमाणित फैब्रिक से बने प्रोडक्ट्स खरीदने का मौका मिलेगा, ऐसे में वे तनाएरा के विशेष डिज़ाइनों के साथ-साथ बेजोड़ कीमतों पर खरीददारी का भी अनुभव पा सकेंगे।इस अवसर पर श्री सोमप्रभ कुमार सिंह, चीफ़ सेल्स एण्ड मार्केटिंग ऑफिसर ने कहा, ''हम पहली बार इतनी व्यापक रेंज पर छूट के ऑफर लेकर आए हैं, जहां हमारे प्रोडक्ट्स 40 फीसदी तक के डिस्काउन्ट पर उपलब्ध हैं। इस ऑफर के साथ-साथ हमारे उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं समृद्ध प्रोडक्ट्स तो मिलते ही हैं, जिनके लिए तनाएरा को जाना जाता है। प्रमाणित स्रोतों से खरीदे गए हस्तनिर्मित उत्पादों की व्यापक रेंज तथा हर पीस में शुद्धता एवं गुणवत्ता के वादे के साथ हम अपने समझदार उपभोक्ताओं को सही मायनों में खास अनुभव प्रदान करना चाहते हैं।'

अल्पेनलिबे ने भारत का पहला लिक्विड चोको से भरा पॉप लॉन्च किया!

मुंबई, एजेंसी। अल्पेनलिबे एकलेयर्स लंबे समय से घर-घर में पसंदीदा रहा है, जो अपने सिग्नेचर रिच, लिक्विड चोको जैसेसेंटर के लिए जाना जाता है – आनंद की वह पहचान जिसे उपभोक्ता पसंद करते हैं और इसकी उम्मीद करते हैं। इसी प्रतिष्ठित अनुभव को आगे बढ़ाते हुए, अल्पेनलिबे अब अल्पेनलिबे एकलेयर्स पॉप लॉन्च कर रहे हैं, जिसमें उसी चोको जैसे आनंद को बिल्कुल नए रूप मे पेश किया गया

है। यह चोको जैसेलिक्विड से भरा भारत का पहला लॉलीपॉप है। सिर्फ़ ?5 में, एकलेयर्स पॉप प्रीमियम स्वाद का अनुभव कराता है – जिसका बाहरी हिस्सा परिचित चबाने वाले कैरेमल है, तो वहीं इसके मध्य मे समृद्ध चोको जैसे स्वाद है। यह एक बहुत पसंद किए जाने वाले फॉर्मेट को सुविधाजनक, चलते-फिरते प्रारूप में लाता है। इसे किशोरों और युवा वयस्कों के लिए कभी भी, कहीं भी अपनी लालसा को संतुष्ट करने के लिए तैयार किया गया है। चाहे आप इसे धीरे-धीरे चखें या एक बार में ही चबा जाएं, एक्लेयर्स पॉप रोज़ाना की स्नैकिंग को शुद्ध चोको जैसे आनंद में बदल देता है। परफ़ेटी वैन मेले इंडिया की मार्केटिंग डायरेक्टरगुंजन खेतान ने कहा, अल्पेनलिबे एक्लेयर्स पॉप के साथ, हमारा उद्देश्य एक बहुत पसंद किए जाने वाले अनुभव को एक नए, सुविधाजनक प्रारूप में विस्तार देना था। हम जानते हैं कि एक्लेयर्स के चोको जैसे सेंटर को कितना पसंद किया जाता है – और यह उत्पाद हर तरह से उस आनंद को आगे बढ़ाता है। किशोर और युवा वयस्क रोजमर्रा के प्रारूपों में भी अधिक समृद्ध, अधिक इमर्सिव ट्रीट की तलाश कर रहे हैं – और एक्लेयर्स पॉप बस यही है। कोई ट्विस्ट नहीं, बल्कि जो वे पहले से ही पसंद किया जाता है, उसी का यह स्वाभाविक विकास है।

यूएस क्रैनबेरीज़ के साथ बच्चों को गर्मियों में रखें हाइड्रेटेड और हेल्दी

मुंबई, एजेंसी। जैसे-जैसे गर्मी का पारा चढ़ता जा रहा है, बच्चों को हाइड्रेटेड और स्वस्थ रखना हर माता-पिता की प्राथमिकता बन गया है। इस मौसम में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन एक आम समस्या है, जो अक्सर बच्चों में अपच, दस्त, पेट फूलना और पेट दर्द जैसी पाचन से जुड़ी तकलीफों का कारण बनती है। प्रसिद्ध बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. इमरान पटेल बताते हैं कि अत्यधिक खेलकूद, पसीना, कम पानी पीना और फाइबर व पोषण से रहित डाइट बच्चों की आंतों के स्वास्थ्य को प्रभावित करती

है। इन सभी कारणों से आंतों में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया—जिसे गट फ्लोरा कहा जाता है—का संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे गर्मियों में बच्चों को पाचन संबंधी समस्याएं होने लगती हैं, वे समझाते हैं।

इस मौसमी चुनौती से निपटने के लिए डॉ. पटेल बच्चों की डेली डाइट में स्क्रैनबेरीज़ शामिल करने की सलाह देते हैं। स्क्रैनबेरीज में प्राकृतिक रूप से एंटीऑक्सिडेंट्स और डाइटरी फाइबर प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो पाचन में मदद करते हैं और गट फ्लोरा को फिर से संतुलित करने में सहायता करते हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि इनका खट्टा-मीठा स्वाद बच्चों को बेहद पसंद आता है, वे बताते हैं।

रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट की स्नातक सोनाक्षी ने पेश किया 'ज्ञात' - महिलाओं की अनकही कहानियों को धातु और यादों से उकेरने वाली मूर्तिकला प्रदर्शनी

नई दिल्ली। ब्रिटिश काउंसिल, कस्तूरबा गांधी मार्ग की गैलरी में ज्ञात प्रदर्शनी पेश की जाएगी, जो सोनाक्षी की एक गहरी और प्रभावशाली मूर्तिकला कृति है। यह प्रदर्शनी मां-बेटी की पीढ़ियों की यादों को पारिवारिक चीज़ों, धातु और उनके अर्थों के ज़रिए सामने लाती है। यह प्रदर्शनी 11 जून से 31 जुलाई 2025 तक स्टडी यूके- क्रिएटिव कनेक्शन्स सेकंड के हिस्से के रूप में चलेगी। आगरा में जन्मी और अब लंदन में रहने वाली सोनाक्षी चतुर्वेदी अपनी पेंटिंग, इनैमलिंग और रत्नों की जानकारी को मिलाकर यह सवाल उठाती हैं कि महिलाओं की कहानियां कैसे याद रखी जाती हैं—या जानबूझकर भुला दी जाती हैं। यह प्रदर्शनी दुल्हन, मां और दादी जैसे पारंपरिक रोल्स पर सवाल उठाती है और भारतीय उपमहाद्वीप की हस्तकला परंपराओं में छिपी अनकही इच्छाओं को उजागर करती है। 2024 में मशहूर रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट से ज्वैलरी और मेटल में एमए पूरा करने वाली सोनाक्षी नई पीढ़ी की कलाकार हैं, जो पुरानी हस्तकला को आधुनिक कला के साथ जोड़ रही हैं। रत्न विशेषज्ञ होने के साथ-साथ इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट्स (संस्कृति मंत्रालय) में शोधकर्ता के रूप में उनका अनुभव उन्हें दक्षिण एशियाई समाजों में गहनों और विरासत के सांस्कृतिक मायने समझने की गहरी समझ देता है।

भारत-ईयू व्यापार समझौते में प्रगति

विदेश नीति पर जयशंकर ने कही यह बात

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत यूरोपीय संघ के साथ अपने संबंधों को उच्च प्राथमिकता देता है। यह बात विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को यह टिप्पणी की। जर्मन मार्शल फंड (जीएमएफ) फोरम में फाइनेंशियल टाइम्स के ब्रसेल्स ब्यूरो प्रमुख हेनरी फॉय से बातचीत के दौरान जयशंकर ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच मुक्त व्यापार समझौता अच्छी प्रगति पर है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस साल के अंत तक यह समझौता पूरा हो जाएगा। विदेश मंत्री ने द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती पर जोर डाला। यह केवल व्यापार तक सीमित नहीं है बल्कि रक्षा , गतिशिलता, प्रतिभा प्रभाव और शिक्षा जैसे पहलुओं के लिए लाभदायक है।

यूरोपीय आयोग सदस्यों का भारत दौरा सकारात्मक कदम- उन्होंने बताया कि जब यूरोपीय आयोग के सदस्य हाल ही में सामूहिक रूप से भारत आए थे, तो यह एक असाधारण और सकारात्मक कदम था। यह हमारे बीच रिश्तों को गहरा करने की मांशा का संकेत है। मुक्त व्यापार समझौता इस संबंध में केंद्र बिंदु है।

भारत हर परिस्थितियों से निपटने लिए है तैयार- इस उच्चस्तरीय वार्तालाप सत्र में भारत की विदेश नीति से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। इसमें अमेरिका के साथ उसके संबंध पर बात हुई। जयशंकर ने कहा कि भारत के पास परिस्थितियों और चुनौतियों से निपटने की क्षमता है। भारत खुद के बारे में सोच सकता है। हम दुनिया से क्या लाभ उठा सकते हैं, इसके आधार पर निर्णय लेने के लिए तैयार हैं।यूरोप के इतिहास और अनुभवों के साथ इसकी तुलना करते हुए, मंत्री ने कहा कि भारत बदलती भू-राजनीतिक वास्तविकताओं और दृष्टिकोण में उभरने वाले किसी भी ट्रांस-अटलांटिक मतभेद से निपटने का आदी है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत अमेरिका के साथ अपने संबंधों को उतना ही महत्व देता है, जितना यूरोपीय संघ के साथ देता है। भारत प्रत्येक के साथ उन शर्तों पर व्यवहार करेगा जो दोनों के लिए लाभदायी हो।

टर्म इंश्योरेंस: समय सीमा से अधिक मायने रखती है सही टाइमिंग

मुंबई । टर्म इंश्योरेंस को आज भी वित्तीय सुरक्षा की सबसे सरल और असरदार नींव माना जाता है। इसमें न बोनस होता है, न निवेश पर रिटर्न—बस एक सीधा और स्पष्ट वादा होता है- अगर पॉलिसी अवधि के दौरान बीमाधारक की मृत्यु होती है, तो उसके परिवार को एकमुश्त राशि मिलेगी। लेकिन अब सवाल सिर्फ यह नहीं रह गया है कि टर्म इंश्योरेंस होना चाहिए या नहीं, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण हो गया है कि इसे कब तक रखा जाए।

इस संदर्भ में टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस के चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर - अल्टेरनेट और इमर्जिंग चैनल्स, जिलानी बाशा ने कहा, आज के उपभोक्ता टर्म इंश्योरेंस को लेकर अधिक जागरूक और विचारशील हैं। वे अब सामान्य दृष्टिकोण से हटकर, अपनी व्यक्तिगत ज़रूरतों और जिम्मेदारियों के अनुरूप फैसले ले रहे हैं। वे पूछ रहे हैं कि कवरेज की सही अवधि क्या है, क्यों जरूरी है और किस समय सबसे ज्यादा प्रासंगिक है। यह सोच एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है, जहां बीमा अब सिर्फ एक उत्पाद नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा बनता जा रहा है।

उन्होंने आगे जोड़ा, लोग अब ऐसे समाधानों की तलाश कर रहे हैं जो न केवल वर्तमान में प्रासंगिक हों, बल्कि भविष्य के जोखिमों से भी सुरक्षा दें। बीमाकर्ता के रूप में हमारी भूमिका अब केवल उत्पाद बेचने तक सीमित नहीं रही, बल्कि सही जानकारी और मार्गदर्शन देना भी उतना ही जरूरी है।

टर्म इंश्योरेंस का मूल्य इसकी लाइफटाइम कवरेज में नहीं, बल्कि उस समयबद्ध सुरक्षा में है जब परिवार को आपकी आमदनी पर सबसे ज़्यादा निर्भरता होती है। सोच-समझकर किया गया चुनाव ही इसे एक स्मार्ट वित्तीय योजना बनाता है।

एयर इंडिया हादसे के बाद

बीमा कंपनियों को चुकानी होगी मोटी रकम, बन सकता है नया रेकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान हादसे से बीमा कंपनियों पर बड़ा असर पड़ेगा। यह भारत में अब तक का सबसे महंगा एविएशन इंश्योरेंस क्लेम हो सकता है। जानकारों का कहना है कि बीमा कंपनियों को 120 मिलियन डॉलर (करीब 1000 करोड़ रुपये) से ज्यादा का भुगतान करना पड़ सकता है। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार इस भुगतान में विमान की कीमत का नुकसान लगभग 80 मिलियन डॉलर हो सकता है। विमान की कीमत को हल लॉस कहा जाता है। यात्रियों को मुआवजा देने में 30 से 50 मिलियन डॉलर और लग सकते हैं। कुछ लोगों का मानना है कि यात्रियों से जुड़े दावे 100 मिलियन डॉलर से भी ज्यादा हो सकते हैं। क्योंकि विमान में कई अमीर लोग सवार थे। इसलिए मुआवजे की राशि बढ़ सकती है।

किन कंपनियों का बीमा?

टाटा एआईजी इस बीमा पॉलिसी की मुख्य कंपनी थी। न्यू इंडिया एश्योरेंस जैसी अन्य कंपनियों ने भी इसमें हिस्सा लिया था। इस विमान का बीमा लंदन के बाजार में करवाया गया था। इसे ग्लोबल रीइंश्योरेंस प्रोग्राम कहते हैं। इसमें ज्यादातर जोखिम विदेशी बीमा कंपनियों को दिया जाता है। भारत की बीमा कंपनियों जैसे टाटा एआईजी, न्यू इंडिया एश्योरेंस, नेशनल इंश्योरेंस, यूनाइटेड इंडिया, ओरिएंटल और आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल ने 10 प्रतिशत से भी कम जोखिम रखा है। सरकारी रीइंश्योरेंस कंपनी जीआईसी रे के पास रीइंश्योरेंस पर 5 प्रतिशत हिस्सा है।

अब तक का सबसे बड़ा क्लेम- एलायंस इंश्योरेंस ब्रोकर्स के एविएशन बिजनेस हेड सौरव बिस्वास ने कहा कि यह किसी भारतीय एयरलाइन से जुड़ा अब तक का सबसे बड़ा दावा होगा।

पहले भारत में विमान हादसे कम ही हुए हैं। साल 2010 में दुबई से आ रहा एक बोइंग 737 विमान मंगलौर में उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इसमें 158 लोगों की जान चली गई थी। वहीं साल 2020 में कोझीकोड में हुए एक और हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई थी। बीमा उद्योग के जानकारों के अनुसार, इन दोनों घटनाओं में बीमा कंपनियों ने लगभग 60-70 मिलियन डॉलर का भुगतान किया था।

प्रति यात्री कितना मुआवजा?

टाटा एआईजी के एक प्रवक्ता ने कहा कि एयर इंडिया के मुख्य बीमाकर्ता होने के नाते, कंपनी स्थिति पर नजर रख रही है। एक बीमा अधिकारी ने बताया कि एयर इंडिया की देनदारी की सीमा 1.5 बिलियन डॉलर तक है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक यात्री के लिए शारीरिक चोट या मृत्यु होने पर लगभग 250,000 डॉलर का मुआवजा दिया जा सकता है।

क्या कहा जानकारों ने?

जीआईसी रे के सीएमडी रामस्वामी नारायणन ने कहा कि इस घटना से विमान के पूरी तरह से नष्ट होने और लोगों की मृत्यु होने के कारण कई दावे किए जाएंगे। ऐसे नुकसान का असर कई रीइंश्योरेंस कंपनियों पर पड़ता है। क्योंकि विमान बेड़े की नीतियों को अक्सर कई कंपनियों के साथ बांटा जाता है। हालांकि नुकसान की वजह से बीमा की कीमतों पर क्या असर होगा, यह अभी कहना मुश्किल है।

अविका गौर और उनके मंगेतर मिलिंद ने कलर्स के नए रियलिटी शो के लिए कहा 'हां!'

मुंबई, एजेंसी। क्या आपको बालिका वधू की छोटी आनंदी याद है – वह बाल वधू जिसने उस समय हमारा दिल चुरा लिया था? अब वही अविका गौर पूरी तरह से बड़ी हो चुकी हैं और प्यार में सिर से पांव तक डूबी हुई हैं! टेलीविजन की यह चहेती कलाकार अब उस चैनल पर वापसी कर रही हैं जिसने उन्हें घर-घर का नाम बना दिया था—कलर्स। लेकिन इस बार, वह अकेली नहीं आ रही हैं। इस खास मौके पर उनके साथ हैं उनके मंगेतर और सामाजिक कार्यकर्ता मिलिंद चंदवानी।

यह प्यारा जोड़ा कलर्स के बिल्कुल नए रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में नजर आने वाला है—एक ऐसा शो जो प्यार, हंसी और रिश्तों की जादुई उलझनों का खूबसूरत उत्सव है। अभी हाल ही में जब अविका ने अपने लंबे समय से साथी मिलिंद के साथ रोका सेरेमनी की ड्रीमी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं, तो इंटरनेट पर जैसे भावनाओं की बाढ़ आ गई। फैन्स ने ओं कहकर अपना प्यार जताया और अब समझ में आता है क्यों—वह तो बस एक झलक थी, असली कहानी अब सामने आ रही है। 'पति पत्नी और पंगा' उन छोटे-छोटे लम्हों को उजागर करेगा जो किसी भी रिश्ते को मजबूत बनाते हैं—एक साथ की गई कोशिशें, साझा की गई मुस्कानें, रोज़ाना की छोटी-छोटी जीतें।

एक्सिस मैक्स लाइफ इंश्योरेंस ने कांतार के साथ मिलकर किए अध्ययन के सातवें संस्करण से मिले आंकड़े जारी किए

मुंबई, एजेंसी। एक्सिस मैक्स लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड ने मार्केटिंग डाटा एवं एनालिटिक्स के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी कंपनी कांतार के साथ मिलकर किए गए अपने महत्वाकांक्षी इंडिया प्रोटेक्शन कोशेंट (आईपीक्यू) अध्ययन के सातवें संस्करण से मिले आंकड़े जारी करने की घोषणा की है। 25 भारतीय शहरों में करीब 6,360 परिवारों से मिलकर किए गए आईपीक्यू 7.0 से वंचित समुदायों, विशेष रूप से एलजीबीटीक्यूआईए+ समुदाय और कामकाजी महिलाओं के बीच भविष्य की वित्तीय तैयारियों को लेकर बड़ी कमी सामने आई है।

एक्सिस मैक्स लाइफ के सीईओ एवं मैनेजिंग डायरेक्टर प्रशांत त्रिपाठी ने कहा, 'आईपीक्यू 7.0 से मिले नतीजों ने वंचित समुदायों के बीच वित्तीय सुरक्षा में असमानता की की तस्वीर सामने रखी है। एलजीबीटीक्यूआईए+समुदाय का प्रोटेक्शन कोशेंट मात्र 35 और महिलाओं का प्रोटेक्शन कोशेंट 48 पर है, जो दिखाता है कि सिर्फ चाहने से तैयारियां मजबूत नहीं हो जाती हैं। इस अंतर को भरने के लिए उद्योग को भरोसा कायम करने, टार्गेटेड तरीके से जागरूकता लाने और पहुंच बढ़ाने पर फोकस करना होगा। एक्सिस मैक्स लाइफ में हमारा मानना है कि सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जरूरी हो गया है कि एक ऐसा समावेशी फाइनेंशियल इकोसिस्टम बनाया जाए, जो सहानुभूति पर आधारित हो और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के अनुरूप हो।'

एलजीबीटीक्यूआईए+ समुदाय: इच्छा के बावजूद फाइनेंशियल प्रोटेक्शन में कमी- एलजीबीटीक्यूआईए+ समुदाय का प्रोटेक्शन कोशेंट स्कोर 35 (0 से 100 के पैमाने पर) रहा है। यह डिजिटल रूप से सतर्क शहरी भारतीयों के 56 के औसत से बहुत कम है, जो इस वर्ग की वित्तीय अनिश्चितता की तस्वीर दिखाता है। एलजीबीटीक्यूआईए+समुदाय का नॉलेज इंडेक्स स्कोर भी 61 है, जो डिजिटल-सैवी अर्बन इंडियंस (डीएसयूआई) के 74 की तुलना में काफी कम है, जो इस समुदाय में जीवन बीमा को लेकर जागरूकता की कमी को दिखाता है।

हंगामा ओटीटी लेकर आया है डबल रोल वाली नई सस्पेंस थ्रिलर सीरीज 'जुड़वा जाल'

मुंबई, एजेंसी। देश के सबसे प्रमुख एंटरटेन्मेंटप्लैटफ़ॉर्म में शामिल हंगामा ओटीटी ने आज अपनी नई ओरिजनल सीरीज 'जुड़वा जाल' के रिलीज की घोषणा की। यह जबरदस्त सस्पेंस से भरी क्राइम थ्रिलर सीरीज है जिसमें रोचकता, ड्रामा और कदम कदम पर नए मोड़ लेने वाली कहानी है। सीरीज छह एपिसोड की है और हर एपिसोड आपकी उत्सुकता को बढ़ाएगा और आपको अंदर सीरीज को आखिर तक देखने की दिलचस्पी पैदा करेगा। इस सीरीज में दर्शकों को हत्या, चीजों को अलग तरह से दिखाने की कोशिश, धोखे और सच तक पहुंचने की कशमकश देखने को मिलेगी। 'जुड़वा जाल' को बेहद प्रतिभाशाली कलाकारों ने अपने अभिनय से तैयार किया है। इसमें मोनालिसाडबल रोल में नजर आएंगी और उनके साथ अंकित भाटिया, पलक सिंह, कार्तिक जैन अहम भूमिकाओं में होंगे। इस सस्पेंस थ्रिलर की कहानी अनामिका की रहस्यमयी स्थितियों में हुई मौत के इर्द-गिर्द बुनी गई है। अनामिका एक ऐसी लड़की है जिसकी जिंदगी और मौत दोनों एक पहेली की तरह दर्शकों के सामने आती है। क्या उसकी मौत एक्सीडेंट में हुई है या फिर किसी ने उसकी हत्या की है? इंस्पेक्टर कुणाल इस केस को सुलझाने के लिए जब गहराई में जाकर पड़ताल करते हैं, तो शक की तमाम सुई एक ही व्यक्ति की ओर इशारा करती हैं और वो है अनामिका की उससे अलग रहने वाली जुड़वा बहन शुचि।

एअर इंडिया विमान हादसे में मारे गए लोगों को भारतीय टीम ने दी श्रद्धांजलि

कैंट। इंग्लैंड दौरे पर गई भारतीय टीम ने एअर इंडिया विमान हादसे में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी और एक मिनट का मौन भी रखा। गुरुवार को अहमदाबाद से लंदन जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट संख्या- AI171 उड़ान भरने के तुरंत बाद क्रैश हो गई थी। एअर इंडिया का विमान गुरुवार दोपहर 13:38 बजे टेकऑफ हुआ था। एअर इंडिया के मुताबिक बोइंग 787-8 मॉडल के इस विमान में 242 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। यात्रियों में 169 भारतीय नागरिकों समेत ब्रिटेन, पुर्तगाल और कनाडा के नागरिक शामिल थे। इस भीषण हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी समेत कुल 266 लोगों की मौत हुई है। इनमें 241 लोग विमान में सफर कर रहे थे। बाकी हताहत लोग विमान के क्रैश होते समय मेघाणीनगर में घटनास्थल पर मौजूद थे। इस हादसे पर क्रिकेट समुदाय ने भी दुख व्यक्त किया था। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच से पूर्व शुक्रवार से भारत ए के खिलाफ इंट्रा स्क्वाड मैच खेल रही है। मुकाबला शुरू होने से पहले टीम के खिलाड़ियों और सदस्यों ने अहमदाबाद एअर इंडिया विमान हादसे में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी।

बीसीसीआई ने किया पोस्ट

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, बेकेनहैम में हो रहे इंट्रा-स्क्वाड मैच में शामिल खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सदस्य काली पट्टी बांधकर उतरे। अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि और पीड़ित परिवारों के प्रति एकजुटता के प्रतीक के रूप में आज एक मिनट का मौन भी रखा गया।

सीरीज की तैयारियों को पुख्ता करेगा भारत

भारतीय टीम 20 जून से शुरू हो रहे पहले टेस्ट मैच से पहले भारत ए के खिलाफ इंट्रा स्क्वाड मैच खेल रही है। इस दौरान जहां टीम की कोशिश तैयारियों को अंतिम रूप देने पर रहेगी, वहीं टीम प्रबंधन सही संयोजन पर नजरें रखेगा। मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में भारतीय टीम ने यह मैच खाली स्टेडियम में खेलने का विकल्प चुना है जिससे विपक्षी टीम को उनकी रणनीति की भनक नहीं लग सके। इस मैच में कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा के प्रदर्शन पर निगाह रहेगी और भारतीय टेस्ट टीम की अंतिम एकादश में जगह बनाने के लिए इन दोनों के बीच दिलचस्प मुकाबला होने की संभावना है।

10 दिन के भीतर श्रेयस लगातार दूसरा फाइनल हारे

मुंबई। मराठा रॉयल्स की जीत के साथ टी20 मुंबई लीग का समापन हो गया। गुरुवार को वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए खिताबी मैच में मराठा रॉयल्स का सामना श्रेयस अय्यर के नेतृत्व वाली सोबो मुंबई फाल्कंस से हुआ। इस मैच में भी श्रेयस की किस्मत ने साथ नहीं दिया और आईपीएल के बाद वह एक और खिताब जीतने से चूक गए। श्रेयस अय्यर 10 दिनों के भीतर दूसरा फाइनल खेलने उतरे थे। इससे पहले उन्होंने तीन जून को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ आईपीएल 2025 का फाइनल मुकाबला खेला था। श्रेयस के नेतृत्व में पंजाब को छह रनों से करारी शिकस्त मिली थी। ऐसा ही कुछ उनकी टीम सोबो मुंबई फाल्कंस के साथ हुआ। मराठा रॉयल्स ने उन्हें पांच विकेट से हरा दिया। हैरानी की बात यह है कि श्रेयस अय्यर का बल्ला खिताबी मैचों में खामोश रहा है। आईपीएल के फाइनल में पंजाब किंग्स के कप्तान सिर्फ एक रन बना पाए थे। वहीं, टी20 मुंबई लीग के खिताबी मैच में भी वह सिर्फ 12 रन बना पाए। मराठा रॉयल्स ने पहले गेंदबाजी करते हुए मुंबई फाल्कन्स को 20 ओवर में चार विकेट पर 157 रन पर रोक दिया और फिर सुतार के 49 गेंदों पर दो चौकों और दो छक्कों की मदद से बनाए गए 53 रन की बदौलत चार गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। नौशाद ने 24 गेंदों पर 38 रन की पारी खेली और सुतार के साथ चौथे विकेट के लिए 67 रन की साझेदारी की। इससे मराठा रॉयल्स की टीम 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 158 रन बनाकर जीत दर्ज करने में सफल रही।इससे पहले मयूरेश टंडेल (नाबाद 50) और हर्ष अघव (नाबाद 45) की 49 गेंदों पर 85 रन की अटूट साझेदारी की मदद से मुंबई फाल्कंस ने चार विकेट पर 157 रन बनाए।

नीदरलैंड ने हासिल किया वनडे इतिहास का तीसरा बड़ा रन चेज

नई दिल्ली। सलामी बल्लेबाज मैक्स ओ डोड की नाबाद 158 रनों की पारी के दम पर नीदरलैंड्स ने आईसीसी विश्व कप लीग टू 2023-27 के मुकाबले में स्कॉटलैंड को चार विकेट से हराकर बड़ी जीत दर्ज की। स्कॉटलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जॉर्ज मुंसे के 191 रनों की पारी की मदद से 50 ओवर में छह विकेट पर 369 रन बनाए। जवाब में नीदरलैंड ने चार गेंद शेष रहते हुए छह विकेट पर 374 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। यह वनडे इतिहास का तीसरा सबसे बड़ा रन चेज है। वनडे में सबसे बड़ा रन चेज करने का रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के नाम है जिसने 2006 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नौ विकेट पर 438 रन बनाए थे। इस सूची में दूसरे स्थान पर भी दक्षिण अफ्रीका ही है। अब इस लिस्ट में नीदरलैंड का नाम भी जुड़ गया है और उसने भारत और इंग्लैंड जैसे देशों को पीछे छोड़ दिया है। स्कॉटलैंड ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

नौवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए और छाए स्टार्क

फाइनल में अर्धशतक लगाकर बनाए कई रिकॉर्ड

लंदन। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला लॉर्ड्स में खेला जा रहा है। कंगारुओं ने प्रोटियाज के सामने 282 रन का लक्ष्य रखा है। ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए मिचेल स्टार्क छा गए। उन्होंने बेहतरीन अर्धशतक जमाया और नाबाद पवेलियन लौटे। स्टार्क 136 गेंद में पांच चौके की मदद से 58 रन बनाकर नाबाद रहे। उनकी, एलेक्स कैरी और हेजलवुड की बदौलत एक वक्त 73 रन पर सात विकेट गंवा चुकी ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी दूसरी पारी मे 200 रन के पार जा सकी। स्टार्क ने कई रिकॉर्ड भी बनाए। स्टार्क का यह टेस्ट करियर का 11वां अर्धशतक रहा। स्टार्क ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए पहले एलेक्स कैरी के

साथ आठवें विकेट के लिए 61 रन की, फिर लियोन के साथ नौवें विकेट के लिए 14 रन की और फिर हेजलवुड के साथ आखिरी विकेट के लिए 135 गेंद में 59 रन की साझेदारी निभाई। हेजलवुड 17 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, कैरी ने 50 गेंद में पांच चौके की मदद से 43 रन की पारी खेली। अब तक केवल दो बल्लेबाजों ने एक ही देश में टेस्ट मैचों में नंबर नौ या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए पांच बार 50 से अधिक रन बनाए हैं। इनमें स्टुअर्ट ब्रॉड और स्टार्क शामिल हैं। दोनों ने ही इंग्लैंड में ऐसा किया है। स्टार्क का यह नंबर नौ या इससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए आठवां अर्धशतक रहा। वह ऐसा करने वालों में शीर्ष पर हैं। नौवें या इससे नीचे के नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए टेस्ट में स्टार्क से ज्यादा अर्धशतक किसी ने नहीं लगाए हैं। स्टार्क के बाद इस लिस्ट में स्टुअर्ट ब्रॉड और डेनियल विटोरी का नंबर आता है। इन दोनों ने छह-छह बार ऐसा किया है। हेजलवुड और स्टार्क के बीच 10वें विकेट के लिए 59 रन की साझेदारी लॉर्ड्स में किसी मेहमान टीम के बल्लेबाजों द्वारा चौथी सबसे बड़ी साझेदारी है। इस मामले में ऑस्ट्रेलिया के ही हैरी बॉयल और टप स्कॉट की जोड़ी शीर्ष पर है।

टी-20 में हो रही अनदेखी से परेशान बाबर आजम ने थामा दूसरी टीम का दामन

नई दिल्ली। पाकिस्तान की टी20 टीम में लगातार हो रही अनदेखी से परेशान पूर्व कप्तान बाबर आजम ने दूसरी टीम का दामन थाम लिया है। अब वह सिडनी सिक्सर्स के लिए बिग बैश लीग में खेलते नजर आएंगे। इसकी घोषणा टीम ने शुक्रवार को की। 30 वर्षीय बल्लेबाज ने पिछले साल आखिरी टी20 मुकाबला खेला था। अब बाबर बिग बैश लीग के 15वें सत्र में सिडनी सिक्सर्स के लिए खेलते नजर आएंगे। फ्रेंचाइजी की तरफ से जारी किए गए बयान के मुताबिक, सिडनी सिक्सर्स आगामी केएफसी बीबीएल715 सीजन के लिए पाकिस्तान के सुपरस्टार बाबर आजम के साथ अनुबंध की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं, जो लीग के इतिहास में सबसे बड़े अधिग्रहणों में से एक है। हम बाबर का सिक्सर्स में स्वागत करते हुए बेहद खुश हैं। वहीं, बाबर आजम ने भी सिक्सर्स का हिस्सा बनकर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा- मुझे आगामी सत्र के लिए सिडनी सिक्सर्स में शामिल होने पर बहुत गर्व है। यह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टी20 लीगों में से एक में खेलने और इतनी सफल और सम्मानित फ्रैंचाइजी का हिस्सा बनने का एक रोमांचक अवसर है। मैं टीम की सफलता में योगदान देने, प्रशंसकों के साथ मजबूत संबंध बनाने और पाकिस्तान में अपने दोस्तों, परिवार और समर्थकों के साथ इस अनुभव को साझा करने के लिए उत्सुक हूं। ये दोनों सीरीज जुलाई-अगस्त में खेली जाएंगी। रिपोर्ट की मानें तो चयनकर्ताओं और मुख्य कोच माइक हेसन ने बाबर, रिजवान और शाहीन को पहले ही बता दिया है कि आगामी टी20 सीरीज के लिए उनकी जरूरत नहीं है और उन्हें आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तथा वनडे प्रारूप पर अधिक ध्यान देना चाहिए। पाकिस्तान को जुलाई के आखिरी सप्ताह में वेस्टइंडीज का दौरा करना है जहां उसे तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन वनडे मैच खेलने हैं। कैरेबियाई देशों में खेलने के बाद पाकिस्तान की टीम तीन मैच की टी20 सीरीज के लिए बांग्लादेश जाएगी लेकिन अगस्त में होने वाली इस सीरीज को पांच मैच की करने का सुझाव दिया गया है। पाकिस्तान को अगस्त के आखिर में अफगानिस्तान की टी20 टीम की भी मेजबानी करनी है। यह सब सितंबर में होने वाले एशिया कप (अभी तक पुष्टि नहीं हुई है।

गिरावट के साथ खुला बाजार सेंसेक्स 1300 अंक गिरा

मुंबई। अहमदाबाद में हुए दर्दनाक विमान हादसे, मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और कमजोर वैश्विक बाजार रुझानों के बीच शुक्रवार को शेयर बाजार में गिरावट रही। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1337.39 अंक गिरकर 80,354.59 पर खुला। जबकि एनएसई निफ्टी 415.2 अंक गिरकर 24,473 पर खुला। इससे पहले गुरुवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 823 अंक गिरकर 81,691.98 अंक पर बंद हुआ था। वहीं एनएसई निफ्टी 253.20 अंक गिरकर 24,888.20 अंक पर आ गया था। यह तीव्र गिरावट इस्राइल के ईरान पर किए गए हमले के बाद आई। इसने व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष की आशंकाएं बढ़ गईं। बैंकिंग और मार्केट एक्सपर्ट अजय बग्गा ने बताया कि इस्राइल ने जवाबी हमले की आशंका में राष्ट्रीय आपतकाल घोषित किया है, जिससे स्थिति अस्थिर बनी हुई है। अगर ईरान ने जवाबी कार्रवाई में फारस की खाड़ी के तेल आपूर्ति मार्गों को बॉल्क करने का रास्ता चुना तो तेल की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है और कीमत बढ़ सकती है। इसके मद्देनजर तेल में तेजी देखने को मिल रही है। साथ ही, सोना और जापानी येन जैसे सुरक्षित निवेश में तेजी है। अमेरिका वायदा और प्रमुख एशियाई सूचकांक में भी तेज गिरावट आई क्योंकि निवेशकों ने जोखिम न लेने का फैसला किया। इसी बीच गुरुवार को हुए अहमदाबाद प्लेन क्रैश ने विमानन संबंधित शेयरों में घबराहट बढ़ा दी है।

ईरान-इस्राइल युद्ध के कारण बढ़ सकते हैं पेट्रोल के दाम, महंगाई होगी बेलगाम!

नई दिल्ली। इस्राइल ने ईरान के कई परमाणु ठिकानों पर हमला कर दिया है। इससे पूरी दुनिया के बाजारों में अफरा-तफरी का माहौल है। भारत सहित दुनिया भर के शेयर बाजारों पर इसका नकारात्मक असर पड़ा है और शेयर टूट गए हैं। निवेशक सुरक्षित निवेश की तलाश में अपना पैसा निकाल रहे हैं। इसका सीधा असर एक बार फिर सोने और डॉलर में तेज निवेश के रूप में सामने आ सकता है, वहीं भारत पर इसके कारण पेट्रोल के दामों में बढ़ोतरी हो सकती है। यदि ऐसा होता है तो इसका सीधा असर माल ढुलाई पर पड़ेगा और इसका असर आवश्यक पदार्थों की कीमतों में तेजी के रूप में सामने आ सकता है। अभी एक ही दिन पहले यह खबर सुनकर आम भारतीय उपभोक्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई थी कि महंगाई दर कई वर्षों में सबसे निचले स्तर 2.82 प्रतिशत पर आ गई थी। रिजर्व बैंक ने भी महंगाई को नियंत्रण में देखकर रेपो दरों में कमी का ऐलान कर दिया था। इससे रेपो दरें 5.50 प्रतिशत पर आ गई हैं और अनुमान यही

लगाया जा रहा है कि बैंक रेपो दरों में कमी का लाभ आम उपोक्ताओं तक पहुंचाएंगे और उनकी घर-कारों पर लिए गए कर्ज की महंगी ईएमआई कुछ कम हो सकेगी। लेकिन इसी बीच अचानक इस्राइल ने ईरान पर हमला कर पूरा मामला नई ओर मोड़ दिया है। ईरान दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश है। इस हमले के बाद ब्रेंट क्रूड ऑयल के दाम 8.84 प्रतिशत बढ़कर 75.49 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गए हैं। ईरान भी इस हमले के बाद चुप नहीं बैठेगा। वह जवाबी हमला कर सकता है। ईरान-इस्राइल के युद्ध में ईरान के तेल कुओं को भी नुकसान होने की संभावना बढ़ सकती है।

भारत पर कैसे पड़ेगा असर?

भारत करीब 40 देशों से तेल आयात करता है। 2024 में ओपेक देशों ने भारत के कुल तेल आयात का करीब 51.5 प्रतिशत निर्यात किया था। लेकिन विशेष देश के हिसाब से देखें तो सबसे बड़ी हिस्सेदारी रूस की रही। अकेले रूस ने 2024 में भारत के कुल तेल आयात का लगभग 36 प्रतिशत हिस्सा निर्यात किया था। ईरान पर युद्ध के कारण ओपेक के दूसरे देशों से निर्यात मूल्य में बढ़ोतरी हो सकती है। इसका असर भारत पर पड़ सकता है। इससे हमारे यहां तेल मूल्यों पर असर पड़ सकता है।

तेल की कीमतों में आया उछाल

इस्राइल की ओर से ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों पर हमला करने के बाद शुक्रवार को तेल की कीमतों में उछाल आया। इस हमले से दोनों देशों के बीच पूर्ण युद्ध का खतरा बढ़ गया है। अमेरिकी बेंचमार्क कच्चा तेल 4.97 डॉलर या 7.3 प्रतिशत बढ़कर 72.91 डॉलर प्रति बैरल हो गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 4.78 डॉलर बढ़कर 74.15 डॉलर प्रति बैरल हो गया, जो 6.67 प्रतिशत की बढ़त है। एस एंड पी ग्लोबल कमोडिटी इनसाइट्स के प्रमुख रिचर्ड जोसविक ने कहा कि अल्पावधि में तेल की कीमतों में वृद्धि होने की संभावना है। पर सवाल यह है कि क्या इसका निर्यात पर असर पड़ेगा। ऐसी स्थिति पहले भी देखी गई है।

इस्राइल-ईरान संघर्ष से सोना एक लाख रुपये के पार, चांदी ने दोबारा छुआ शिखर

नई दिल्ली। भू-राजनीतिक तनाव के बीच शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में सोने की कीमत बड़ा उछाल आया। सोने का भाव 2,200 रुपये की तेजी के साथ 1,01,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच गया। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाली पीली धातु का भाव 1,900 रुपए बढ़कर 1,00,700 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने इसकी पुष्टी की है। इससे पहले 22 अप्रैल को सोना 1,800 रुपये चढ़कर 1,01,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

चांदी की कीमत दोबारा उच्च स्तर पर पहुंची

इसके अलावा, शुक्रवार को चांदी की कीमत 1,100 रुपये बढ़कर 1,08,100 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। सोमवार को चांदी ने यह स्तर छुआ था। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर बहुमूल्य धातु के सबसे अधिक कारोबार वाले अगस्त डिलीवरी अनुबंध सुबह के कारोबार में 2,011 रुपये की तेजी के साथ 1,00,403 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गए।

वैश्विक अस्थिरता ने सोने को सहारा दिया

वैश्विक स्तर पर सोना हाजिर 28.30 डॉलर प्रति औंस या 0.84 प्रतिशत बढ़कर 3,415.13 डॉलर प्रति औंस हो गया। मेहता इक्विटीज के कमोडिटीज के उपाध्यक्ष राहुल कलंत्री ने कहा कि सोने की कीमतों ने नई ऊंचाई को छूआ। यह एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम को पार कर गई। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोना 3,440 डॉलर प्रति औंस से ऊपर चला गया। बढ़ती वैश्विक अस्थिरता के बीच निवेशक सुरक्षित निवेश की ओर आकर्षित हुए। इस्राइल-ईरान संघर्ष और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की एकतरफा टैरिफ धमकियों ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। इसके अलावा, उम्मीद से कम अमेरिकी मुद्रस्फीति के आंकड़ों ने ब्याज कटौती की उम्मीदों को मजबूत किया।

यूनियन बैंक ने अच्छे मानसून और टैक्स कटौती को बताई अहम वजह

खाने-पीने की चीजें होंगी सस्ती

नई दिल्ली। अच्छे मानसून और खाद्य तेल पर आयात शुल्क में कटौती आने वाले महीनों में खाने-पीने की चीजों को सस्ता कर सकती हैं। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई है। इसमें कहा गया कि सरकार ने 30 मई को सूरजमुखी, सोयाबीन और पाम तेल जैसे कच्चे खाद्य तेलों पर आयात शुल्क 20त्न से घटाकर 10त्न कर दिया है। इस कदम से खुदरा उपभोक्ताओं को

सीधे लाभ मिलने की संभावाना है। रिपोर्ट में बताया गया कि इस बार मानसून की शुरुआत सकारात्मक रही। केरल में मानसून समय से 5 दिन पहले पहुंच चुका है और देश के दूसरे भागों में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। मई 2025 में भारत में औसत से लगभग 106 त्न अधिक वर्षा हुई। भारतीय मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि मानसून जून में भी सक्रिय रहेगा।

बैंक ने दी मौसम संबंधी चेतावनी

इन सकारात्मक संकेतों के बावजूद बैंक ने मौसम को लेकर चेतावनी जताई है। चरम मौसम संबंधी घटनाएं वर्तमान मुद्रास्फीति की प्रवृत्ति को बाधित कर सकती हैं। उत्तर भारत में गर्मी अभी भी तेज है और अगर बाढ़ या सूखा जैसी समस्याएं आई, तो खाद्य पदार्थों की कीमत फिर से बढ़ सकती है। मई में खुदरा महंगाई घटकर 2.82 प्रतिशत हुई गुरुवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार मई 2025 में खुदरा महंगाई दर 2.82 प्रतिशत दर्ज की गई। इसका मुख्य कारण सब्जियों, फलों और प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों की कीमतों में नरमी है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) अप्रैल 2025 में 3.16 प्रतिशत पर आ गई।

नशा मुक्ति के लिए समन्वित प्रयास जरूरी : कलेक्टर

नारकोटिक्स एवं नशीली दवाओं की रोकथाम को लेकर जिला स्तरीय समिति की बैठक संपन्न

भोपाल नप्र। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में नारकोटिक्स एवं अन्य नशीली दवाओं की रोकथाम एवं बेहतर समन्वय हेतु जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्यवाही सुनिश्चित करने एवं व्यापक स्तर पर जन-जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशा समाज के लिए विनाशकारी है,इसके दुष्परिणामों से लोगों को अवगत कराना आवश्यक है ताकि समाज में जागरूकता बढ़े और युवा पीढ़ी को नशे से बचाया जा सके।

बैठक में पुलिस अधीक्षक देहात श्री प्रमोद कुमार सिन्हा, अतिरिक्त पुलिस

अधीक्षक श्री नीरज चौरसिया, एडीएम श्री प्रकाश नायक नारकोटिक्स नोडल एसडीओपी सुश्री मंजू चौहान सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री सिंह ने जिला शिक्षा अधिकारी एवं सामाजिक न्याय एवं निशक्तजन कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि स्कूलों एवं कॉलेजों में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं ताकि विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने हेतु प्रेरित किया जा सके। पुलिस अधीक्षक देहात श्री प्रमोद कुमार सिन्हा ने बताया कि 12 जून से 26 जून तक एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

भगवान चित्रगुप्त जी की आरती पश्चात अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मृत यात्रियों को दी श्रद्धांजलि

भोपाल नप्र। अखिल भारती कायस्थ महासभा एवं राजा राम कृष्ण बाई ट्रस्ट नेवरी द्वारा गुरुवार को भगवान चित्रगुप्त जी की आरती पश्चात अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना में मृत यात्रियों के आकस्मिक निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके परिवार को यह दुख सहन करने के लिए प्रभु से कामना की गई । इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष राजकुमार श्रीवास्तव ,कार्यालय सह प्रभारी रजनीकांत वर्मा ,प्रदेश सचिव दिनेश सक्सेना, सह सचिव देवेंद्र सक्सेना, श्रीमती राशि सक्सेना श्रीमती दीपा , मुन्ना कुमार सहित अनेक बंधु एवं बहन उपस्थित थे ।

भोपाल पुलिस ने दुष्कर्म-ब्लैकमेलिंग कांड के पहले केस में पेश किया 250 पन्नों का चालान

भोपाल नप्र। भोपाल में टीआईटी कॉलेज की हिंदू छात्राओं को निशाना बनाकर उनसे दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग कांड में दर्ज हुए पहले मामले में बागसेवनिया थाना पुलिस ने गुरुवार को भोपाल जिला न्यायालय में 250 पन्नों का चालान पेश किया है। विशेष न्यायाधीश नीलम मिश्रा की अदालत में पेश इस केस में कांड का मुख्य आरोपित फरहान खान और उसका साथी साहिल खान आरोपित है। पुलिस ने जांच के बाद 57 गवाहों की लिस्ट के साथ 240 पेज का चालान पेश किया है। चालान के साथ पीड़िताओं की मेडिकल रिपोर्ट और महत्वपूर्ण दस्तावेज भी अदालत में पेश किए गए हैं।

वीसी के जरिए अदालत में पेश किया: जेल में बंद आरोपित फरहान और साहिल को पुलिस ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेश किया था। बता दें कि 12 अप्रैल को पीड़िता ने अशोकागार्डन थाना क्षेत्र निवासी फरहान खान के खिलाफ दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग की शिकायत की थी, जिस पर पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध केस दर्ज किया था। पीड़िता ने शिकायत में बताया था कि फरहान ने उससे मारपीट कर दुष्कर्म किया था।

निगम अमले की तत्परता ने बचाई वृद्ध महिला की जान

बड़े तालाब के भदभदा बांध क्षेत्र में झील संरक्षण प्रकोष्ठ के सहायक स्वास्थ्य अधिकारी ने अपने अधीनस्थों के साथ वृद्ध महिला की बचाई जान

भोपाल । नगर निगम, भोपाल के अमले की तत्परता और कर्तव्य परायणता के कारण भदभदा डेम क्षेत्र में डूब रही वृद्ध महिला की जान बच गई।

दरअसल निगम के झील संरक्षण प्रकोष्ठ के सहायक स्वास्थ्य अधिकारी श्री संदीप सिंह ठाकुर गुरूवार को प्रातः 11:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे के मध्य बड़ी झील के भदभदा बांध क्षेत्र का निरीक्षण कर रहे थे तभी एक वृद्ध महिला को पानी में डूबते हुए देखा जिस पर तत्काल संज्ञान लेते हुए झील की सफाई कार्य हेतु तैनात अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को सूचना देकर तत्काल महिला की जान बचाने हेतु कार्यवाही करने के निर्देश दिए। निगम अमले ने तत्परतापूर्वक महिला को पानी से सकुशल बाहर निकाला और झील सफाई कार्य में संलग्न मशीन पर बिठाया और कमला नगर थाने एवं 108 एम्बुलेंस सेवा को सूचना दी और वृद्ध महिला को नजदीक के शासकीय अस्पताल भेजा।

सरकारी कमेटयों में महिलाओं को दिया जाये स्थान : शाहजहां

शहर प्रतिनिधि

भोपाल। मप्र महिला कांग्रेस की सचिव श्रीमती शाहजहां खान ने शासन प्रशासन से मांग की है कि सरकारी कमेटियों में महिलाओं को बराबर का स्थान दिया जाये। कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री श्रीमती शाहजहां खान ने बताया कि जिला और थाना स्तर की शांति समिति -स्कूलों के लिये बनाई गई शाला विकास समिति कॉलेजों के लिये बनाई निगरानी समिति सरकारी अस्पतालों के लिये बनाई गई कमेटी उपभोक्ता भंडारों के लिये बनाई गई निगरानी कमेटी दूरसंचार सलाहकार समिति रेलवे सलाहकार समिति बिजली कार्यालयों के बनाई गई समिति मुहल्ला समितियों में समाजसेवी महिलाओं को स्थान मिलना चाहिये। इससे सरकार की योजनाओं की जानकारी और उसका लाभ हर महिला केा मिलेगा। उनकी यह भी मांग है कि सभी महिलाओं के घर-घर जाकर फार्म भरवाकर लाडली लक्ष्मी योजना का का लाभ दिया जाये। जो उपभोक्ता भंडार महिलाओं के नाम से संचालित हो रहे है उसे सिर्फ महिलाएं ही चलायें। महिलाओं की भागीदारी सभी सरकारी योजनाओं में रखी जाये। महिला स्व. सहायता समूह शहर के सभी 85 वार्डों में चलाया जाये। आंगनबाड़ी केन्द्रों से नवजात शिशुओं महिलाओं को रोजाना पौष्टिक आहार, दवाएं दी जायें। गैस राहत कमेटी और बीस सूत्रीय कमेटी का पुनगर्ठन किया जाये। उनका नारा है महिलाएं का सम्मान में शाहजहां खान मैदान में।

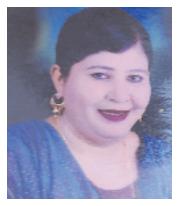

नवागत सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने गांधीनगर अस्पताल का किया निरीक्षण

मरीजों को परेशानी होने की शिकायत मिलने पर होगी संबंधितों पर कार्यवाही

भोपाल नप्र। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ.मनीष शर्मा द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गांधीनगर का निरीक्षण कर अस्पताल में उपलब्ध सेवाओं का जायजा लिया गया। डॉ. शर्मा द्वारा ओपीडी, प्रसव कक्ष, पीएनसी वार्ड, लेबोरेट्री, दवा वितरण सहित विभिन्न सेवाओं की जानकारी ली गई।

निरीक्षण के दौरान जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.रितेश रावत, मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. राकेश कुमार सहित चिकित्सक एवं प्रबंधकीय स्टाफ उपस्थित रहे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ.मनीष शर्मा ने निर्देश दिए कि इस अस्पताल से ग्रामीण क्षेत्र की बड़ी आबादी को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं, इसलिए ओपीडी के निर्धारित समय में सभी चिकित्सा एवं पैरामेडिकल स्टाफ ड्यूटी पर उपस्थित रहें। आकस्मिक स्थिति में रात के समय में भी सिजेरियन प्रसव की सुविधा उपलब्ध रहे। शाम की ओपीडी में सभी चिकित्सक सेवाएं प्रदान करें। डॉ. शर्मा ने

सीबीएमओ को निर्देशित किया कि विकासखंड में संचालित सभी कार्यक्रमों की मॉनिटरिंग, रिपोर्टिंग एवं बैठकों को निर्धारित एजेंडा के किया जाना सुनिश्चित किया जाए। अस्पताल में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। मरीज को उपचार लेने में विलंब या परेशानी ना हो, इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। अन्यथा संबंधितों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। निरीक्षण के दौरान डॉ. शर्मा द्वारा भर्ती मरीजों से बात कर सेवाओं की जानकारी भी ली गई ।

वर्षा ऋतु में आपात स्थिति में नागरिकों की सुरक्षा एवं राहत हेतु निगम ने स्थापित किए आपात नियंत्रण कक्ष

भोपाल नप्र। नगर निगम द्वारा वर्षा ऋतु में तेज बारिश/आंधी अथवा बाढ़ जैसी आपात स्थितियों से निपटने तथा नागरिकों को त्वरित गति से सहायता/राहत पहुंचाने हेतु मुख्य आपात नियंत्रण कक्ष व माता मंदिर स्थित केन्द्रीय कर्मशाला सहित जोन स्तरीय आपात नियंत्रण कक्षों की स्थापना करते हुए आपात नियंत्रण कक्षों की व्यवस्था हेतु अधिकारियों/कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। मुख्य आपातकाल नियंत्रण कक्ष यातायात पार्क स्थित फायर ब्रिगेड मुख्यालय में संचालित किया जायेगा जिसके दूरभाष क्रमांक 0755-2542222, 2540220 एवं 2701401 रहेंगे। आपात नियंत्रण कक्ष आगामी 15 जून 2025 से अवकाश के दिनों सहित प्रतिदिन 24 घंटे कार्य करेंगे। निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर निगम प्रशासन द्वारा जारी आदेश अनुसार फायर ब्रिगेड मुख्यालय यातायात पार्क में स्थापित मुख्य आपात नियंत्रण कक्ष में फायर आफिसर श्री सौरभ पटेल (मो.न.8103761342) को मुख्य आपात नियंत्रण कक्ष के प्रभारी/नोडल अधिकारी का दायित्व सौंपा है। मुख्य आपात नियंत्रण कक्ष के दूरभाष क्र. 0755-2542222, 2540220 एवं 2701401 रहेंगे जबकि माता मंदिर केन्द्रीय कर्मषाला में भी एक कंट्रोल रूम रहेगा जिसके प्रभारी उपायुक्त श्री चंचलेष गिरहरे (मो.नं. 9425149028) रहेंगे। मुख्य आपात नियंत्रण कक्ष सहित अन्य आपात नियंत्रण कक्ष 24 घंटे कार्य करेंगे और इनमें अलग-अलग पारियों में अधिकारियों/कर्मचारियों को भी पदस्थ किया गया है।

ग्लोबल फैटी लीवर डे के अवसर पर स्वास्थ्य संस्थाओं में हुए स्क्रीनिंग शिविर

भोपाल नप्र। ग्लोबल फैटी लीवर डे के अवसर पर गुरुवार को शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में स्क्रीनिंग एवं जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्य प्रदेश कार्यालय में भी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं परिजनों के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविरों में कमर का माप, वजन, बीएमआई की जांच के अलावा परिवार में उच्च रक्तचाप, मधुमेह के इतिहास और जीवनशैली की जानकारी ली गई। शासन द्वारा नॉन अल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज की स्क्रीनिंग के लिए स्वस्थ यकृत लीवर मिशन चलाया जा रहा है। जिसमें लीवर संबंधी बीमारियों की जागरुकता, प्रारंभिक पहचान, उपचार और रोकथाम को शामिल किया गया है। अभियान 21 मई को राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री द्वारा प्रारम्भ किया गया था। मिशन के तहत प्रारम्भिक स्क्रीनिंग में मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा 30 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों का बीएमआई, सीबैक स्कोर एवं कमर का माप लिया जा रहा है। बीएमआई 23 से अधिक होने, महिलाओं में कमर का माप 80 सेमी और पुरुषों में 90 सेमी से अधिक होने पर आयुष्मान आरोग्य मंदिरों एवं नजदीकी स्वास्थ्य संस्थाओं में जांच के लिए रेफरल किया जा रहा है। शिविरों में 2394 व्यक्तियों की बी एम आई स्क्रीनिंग में 663 का बीएमआई अधिक पाया गया। 977 पुरुषों की स्क्रीनिंग में 270 और 1417 महिलाओं में से 477 की कमर का माप निर्धारित मापदंडों से अधिक मिला है।

राज्यपाल की ओर से कलेक्टर श्री सिंह को प्रदान किया गया प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह

भोपाल नप्र। शहीद सैनिकों के परिजनों, भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिजनों के कल्याण के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों तथा सशस्त्र सेना झण्डा निधि में लक्ष्य से अधिक राशि एकत्रित कर सहयोग करने के लिए राज्पाल श्री मंगूभाई पटेल की ओर से कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। राज्यपाल श्री मंगू भाई पटेल की ओर से रिटायर्ड कर्नल श्री राजीव खत्री द्वारा कलेक्टर श्री सिंह को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

श्री मां आशापुरा दरबार में स्वयं सुरक्षा संस्कार शिविर आयोजित

भोपाल नप्र। श्री मां आशापुरा दरबार द्वारा 5 दिवसीय स्वयं सुरक्षा एवं संस्कार शिविर का आयोजन गीता माताजी के सानिध्य में आयोजित किया गया है। शिविर में विशेषज्ञों द्वारा बताया गया कि कैसे अपनी सुरक्षा करें साथ ही श्रद्धेय गीता माताजी द्वारा कैसे संस्कारित होकर जीवन जिया जाये इस पर भी प्रतिदिन एक घंटे का व्याख्यान उपस्थितजों को दिया जा रहा है। शिविर के दौरान प्रतिदिन अखाड़े के प्रशिक्षित दो युवाओं द्वारा डंड बैठक एवं कैसे डंडे से अपना बचाव एवं परिवार का करें, इसका भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गीता माताजी ने आगे बताया की शिविर में प्रतिदिन सीखने आने वालों की संख्या बढ़ रही है, शिविर 15जून तक आयोजित है।

प्रदेश के चार जिले हुए मलेरिया मुक्त, अब शहरों के बाद 15 जिलों में गांव-गांव जाएंगे वॉलिंटियर

भोपाल नप्र। बारिश का महीना शुरू होते ही मच्छर जनित बीमारियां डेंगू,मलेरिया के केस बढ़ने लगते हैं। इसे लेकर विभाग लगातार जागरूकता अभियान चला रहा है। प्रदेश के चार जिले हरदा,आगर-मालवा, विदिशा और शाजापुर में मलेरिया के केस जीरो हो गए हैं। यह विभाग की बड़ी उपलब्धि है। शहरों के साथ अब गांवों में भी मलेरिया को कंट्रोल करने की प्लानिंग की गई है। शुरुआती दौर में एंबेड परियोजना के सहयोग से प्रदेश के 15 जिलों के प्रत्येक गांव में एक-एक वॉलिंटियर भेजे जाएंगे। ये वॉलिंटियर गांव में लोगों को मच्छरों से होने वाली बीमारियों के प्रति जागरूक करेंगे और जिस क्षेत्र में लार्वा पाया जाएगा वहां हफ्ते में एक बार पहुंच कर इसे कंट्रोल करने का काम करेंगे।

इन जिलों के हर गांव में जाएंगे वॉलिंटियर: गावों में मच्छर जनित बीमारियों को कंट्रोल करने के लिए एंबेड परियोजना फैमली हेल्थ इंडिया के सहयोग से प्रदेश के 15 जिले शिवपुरी, श्योपुर, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, विदिशा, भोपाल, जबलपुर, नीमच, रीवा, सीधी, बालाघाट, सिवनी और इंदौर के गांवों में वॉलिंटियर भेजे जाएंगे। एंबेड परियोजना के डॉ. संतोष भार्गव ने बताया कि यह अभियान 1 जुलाई से शुरू किया जाएगा। उन्होने बताया कि इससे पहले बालाघाट जिले में प्रयोग किया गया था। जिसके बाद केसों में काफी कमी आई इस लिए अब प्रदेश के 15 जिलों में शुरू किया जा रहा है।

ऐसे कम हुए प्रदेश में मलेरिया केस: मध्य प्रदेश में मलेरिया कम होने के प्रमुख कारण मलेरिया विभाग नगर निगम और एंबेड परियोजन के सहयोग से प्रदेश भर में जनजागरूरता अभियान चलाया, स्कूल, कॉलेज से लेकर धर्मगुरुओं को भी इस अभियान में शामिल किया अभियान में एंबेड परियोजना के कर्मचारी झुग्गी बस्तियों तक पहुंच कर लोगों को जागरूर किया।

कुंभ को लेकर तैयारियां शुरू, भीड़ और पार्किंग प्रबंधन के लिए होगा एआई का उपयोग

ड्रोन से की जाएगी निगरानी

भोपाल नप्र। उज्जैन में वर्ष 2028 में होने जा रहे सिंहस्थ में भीड़, यातायात और पार्किंग प्रबंधन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) का भी उपयोग किया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था और अन्य प्रबंध के लिए ड्रोन से निगरानी की जाएगी। इसी वर्ष प्रयागराज महाकुंभ में इन तकनीकों के सफल प्रयोग के बाद इन्हें यहां भी अपनाया जाएगा। सिंहस्थ महाकुंभ की तैयारियों को लेकर गुरुवार को पुलिस मुख्यालय में डीजीपी कैलाश मकवाणा ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें प्रयागराज कुंभ की व्यवस्थाओं में बड़ी भूमिका निभाने वाले उत्तर प्रदेश पुलिस के आइपीएस अधिकारी प्रेम कुमार गौतम ने वहां किए गए प्रबंध के बारे में प्रस्तुतीकरण दिया।

रीयल-टाइम ट्रैफिक मानीटरिंग की जाएगी: गौतम ने बताया कि स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण के लिए एआइ आधारित ट्रैफिक कंट्रोल सेंटर की स्थापना, इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आइटीएस) द्वारा रीयल-टाइम ट्रैफिक मानीटरिंग की गई। ड्रोन से प्रमुख मार्गों और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में सटीक पर्यवेक्षण किया गया। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रूट डायवर्सन मोबाइल एप बनाकर लाइव ट्रैफिक अपडेट

उपलब्ध कराए गए।

आंतकवाद से निपटने की भी तैयारी: साथ ही उन्होंने बताया कि आतंकवाद विरोधी गतिविधियों से निपटने के लिए डाग स्क्वाड, बम डिस्पोजल यूनिट को तैनात किया। डार्कवेब से साइबर खतरों और फेस रिकग्नीशन ट्रैकिंग सिस्टम से संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी गई। वीवीआइपी मूवमेंट और श्रद्धालु सुविधाओं के बारे में भी उन्होंने बताया।

प्रयागराज की तुलना में जगह कम: उज्जैन सिंहस्थ में भी प्रदेश पुलिस इन व्यवस्थाओं को अपनाने की तैयारी कर रही है। सिंहस्थ के लिए अभी लगभग तीन वर्ष होने के कारण पुलिस के पास तैयारी के लिए पर्याप्त अवसर भी है।

प्रदेश में 15 जून से मानसून की दस्तक, कई जिलों में बारिश के आसार

भोपाल नप्र। मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी से लोग बेहाल हैं। खजुराहो प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 45.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रदेश के 21 शहरों में तापमान 40 से 45.8 डिग्री के बीच रहा। इंदौर में हल्की बारिश (0.1 मिमी) ने थोड़ी राहत जरूर दी, लेकिन ज्यादातर हिस्सों में तेज धूप और लू का असर जारी है।

मानसून के लिए बन रहे अनुकूल हालात

मौसम विज्ञानियों के अनुसार मानसून के आगे बढ़ने के लिए स्थितियां अनुकूल होती जा रही हैं। शुक्रवार से प्रदेश के कुछ इलाकों में बारिश की शुरुआत हो सकती है। शनिवार से कई जिलों में अच्छी बारिश की संभावना जताई गई है। 15 जून को मानसून के मध्य प्रदेश में दस्तक देने की संभावना है।

प्रदेश में कई मौसम प्रणालियां सक्रिय

मौसम विज्ञान केंद्र भोपाल के विज्ञानी अभिलाष श्रीवास्तव के अनुसार वर्तमान में मानसून की उत्तरी सीमा मुंबई, अहिल्यानगर, आदिलाबाद, भवानीपटना, पुरी और बालुरघाट तक पहुंच चुकी है। पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और उनके आसपास के क्षेत्रों में हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात सक्रिय हैं। इससे गर्म हवाएं मध्य प्रदेश तक पहुंच रही हैं, जिससे गर्मी का असर बरकरार है।

बारिश की शुरुआत शनिवार से संभव

मौसम विशेषज्ञ अजय शुक्ला ने बताया कि आंध्र प्रदेश और दक्षिणी ओडिशा पर बने चक्रवात और कर्नाटक तक फैली द्रोणिका के कारण मानसून के आगे बढ़ने की गति तेज हो सकती है। 14 जून से मानसून के प्रभाव बढ़ने की संभावना है। 15 जून को इसके प्रदेश में प्रवेश की उम्मीद है।

लोगों को मिल सकती है राहत

गर्मी से बेहाल लोगों के लिए राहत भरी खबर यह है कि शनिवार से बारिश का सिलसिला शुरू होने की पूरी संभावना है। इससे तापमान में गिरावट आएगी और उमस से भी कुछ हद तक निजात मिल सकती है। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और मौसम के पूर्वानुमानों पर ध्यान देने की सलाह दी है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक एवं प्रकाशक संजय सूर्यवंशी द्वारा स्वराज पब्लिकेशन बी-20/ए, दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास, वार्ड नं 81, चीचली कोलार रोड भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं बी-20/ए, दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास, वार्ड नं 81, चीचली कोलार रोड भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित संपादक संजय सूर्यवंशी (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा) RNI No. MPHIN/2010/35224 संपर्क सूत्र -9425376576